



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26 नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 1, 1978 (आषाढ़, 10 1900)  
No. 26] NEW DEHI, SATURDAY, JULY 1, (ASADHA 10, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—संख्या 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जून 1978

स० ए० 12019/1/75-प्रशा० II —संघ लोक सेवा आयोग की समसाख्यक अधिसूचना दिनांक 31 मार्च, 1978 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधीक्षकों (हाल०) को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1-6-1978 से 3 मास की अवधि के लिए अपवाहा आगामी अद्वेषी तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में सहायक नियन्त्रक (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है—

1. श्री एम० एल० ध्वन
2. श्री जे० एल० कपूर और
3. कुमारी सन्तोष हाड़ा

प्र० न० मुख्यर्जी  
उप सचिव

कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 मई 1978

स० ए० 12019/1/75-प्रशा० II —सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक अधीक्षक (हाल०) श्रीमती डी० जे० लालवानी को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर 22-4-1978 से 19-5-1978 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून 1978

स० ए० 12019/1/75-प्रशा० II —सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सहायक अधीक्षकों (हाल०) को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (तथ्य संसाधन) के पद पर तदर्थ आधार पर प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी

आदेशों तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्री बी० आर० गुप्ता	1-6-1978 से 31-8-1978
2.	श्री एम० एम० शर्मा	1-6-1978 से 31-8-1978
3.	श्रीमती डी० जे० लालवानी	20-5-1978 से 31-5-1978

प्र० ना० मुखर्जी,  
उप सचिव  
कृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मई 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रशा० I :—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चंद्रा को, राष्ट्रपति द्वारा 13-4-78 से 8-7-78 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में अवर सचिव के पद पर तदर्थ आधार में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 मई 1978

सं० ए० 19012/1/78-प्रशा० I :—श्री ए० भट्टाचार्या, भा० प्र० से० ( असम-मेघालय संयुक्त संवर्ग ) को राष्ट्रपति द्वारा 20-5-1978 ( पूर्वात्मा ) से आगामी आदेशों तक, कार्यालय संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली में संयुक्त सचिव के पद पर निदेशक ( रु० 2000-125/2-2250 ) के पद के बेतन पर सहृदय नियुक्त किया गया है।

दिनांक 29 मई 1978

सं० ए० 32013/3/78-प्रशा० I :—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री आर० एस० अहलुवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-3-78 से 31-5-78 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 30 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III :—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 24-4-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बरमा को, राष्ट्रपति द्वारा 13-5-78 से 31-5-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी

ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी  
उप सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

प्रबंधन निदेशालय  
विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1978

फा० सं० ए० 11/9/78 :—निम्नलिखित सहायक / वरिष्ठ आशुलिपिक इस निदेशालय में प्रबंधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से उनके द्वारा अपने-अपने पद का कार्यभार संभालने की तारीख से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किए गए हैं।

उनकी नियुक्ति के स्थान और कार्यभार संभालने की तारीखें उनके नाम के सामने दी गई हैं।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति का स्थान	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री आर० सी० कालरा	जयपुर	29-4-78
2.	श्री एम० सी० मुखर्जी	कलकत्ता	12-5-78
3.	श्री ए० के० चक्रवर्ती	कलकत्ता	20-4-78
4.	श्री जुगल किशोर	आगरा	29-4-78
5.	श्री ब्रिज सिंह	जालंधर	29-4-78
6.	श्री एस० एम० लाल	बम्बई	1-5-78
7.	श्री टी० के० लक्ष्मणन्	बम्बई	1-5-78

जे० एन० अरोड़ा  
उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1978

सं० ए० 19028/1/78-प्रशासन-5 :—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री ए० बी० राजारमण, सहायक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को दिनांक 27-5-78 के पूर्वात्मा से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ( विशेष पुलिस स्थापना ), नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्यपालक अभियन्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एस० गोपालाकृष्णन, कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ( विशेष पुलिस स्थापना ), नई दिल्ली ने दिनांक 27-5-78 के पूर्वात्मा में कार्यपालक अभियन्ता, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया है।

उन ही सेवाएं केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को वापस सौंप दी गई हैं।

दिनांक 12 जून 1978

सं० टी०-२/६९-प्रशासन-५ :—श्री टी० आर० वरदाराजन, भारतीय पुलिस सेवा (महाराष्ट्र), पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 23-५-७८ के आदि मे पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय पद का कार्य भार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार का वापस सौंप दी गई हैं।

के० के० पुरी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय ग्रांद्रोगिक सुरक्षा बल  
नई दिल्ली-२४, दिनांक 5 जून 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—हरिद्वार मे स्थानांतरण होने पर श्री आर० आर० भारद्वाज ने 29 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट बोकारो इस्पात लिमिटेड बोकारो के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—बी० एच० ई० एल० सी० एफ० एफ० पी० हरिद्वार से स्थानांतरण होने पर श्री आर० पी० दुबे ने 13-५-१९७८ के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, बोकारो इस्पात लिमिटेड, बोकारो, मे सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013(2)/1/78-कार्मिक :—हरिया में स्थानांतरण होने पर श्री ए० सी० राय ने 10 मई, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट, कलकत्ता के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 16013(2)/1/78-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री बनार सिंह, भा० पु० से० (हरियाणा-१९६७) ने 7 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० दुग्धपुर के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 9 जून 1978

सं० ई० 38013(3)/1/78-कार्मिक—टी० आई० एफ० नैनी से स्थानांतरण होने पर श्री एस० पी० बिवेदी ने 30-४-७८ के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय पटना के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

रा० च० गोपाल,  
महानिरीक्षक

भारत के पंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 9 जून 1978

सं० ११/५/७७-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 18 अप्रैल, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अन्वेषक श्री बी० सत्यनारायण की कर्नाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में बंगलौर मुख्यालय सहित सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तब्दील नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 अप्रैल, 1978 से 9 अप्रैल, 1978 तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० ११/५/७७-प्रशा० I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 18 अप्रैल, 1978 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के अन्वेषक श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में, त्रिवेन्द्रम मुख्यालय सहित सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तब्दील नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 अप्रैल, 1978 से 30 जून, 1978 तक 3 माह की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, इनमें से जो भी समय कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

पी० पदमनाभ,  
भारत के महापंजीकार

स० व० प० राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-५००२५२, दिनांक 7 जून 1978

सं० ४१/८/७६-स्थापना—ग्रांधप्रदेश पुलिस के एस० ए० आर० सी० पी० एल० अम्बरपेट के रिजर्व इंस्पेक्टर श्री एम० दीलत खां ने वहां से भार मुक्त होकर मरदार बलभ-भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 2 जून, 1978 के पूर्वाह्न से मुख्य कवायद अनुदेशक का कार्यभार संभाला। उनको रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-३५-८८०-४०-१००० द० रो०-१२०० रुपए के वेतनमान में वेतन तथा भत्ते मिलेंगे साथ ही उन्हें 100 रुपये प्रतिमास विशेष वेतन तथा केन्द्रीय सरकार के नियमानुसार मान्य अन्य भत्ते भी २-६-१९७८ से तथा अगले आदेश तक मिलेंगे।

राजदेव सिह  
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 7 जून 1978

सं० बी० एन० पी० / सी० / ५ / ७८ :—श्री एच० आर० शर्मा, स्थायी नियंत्रण निरीक्षक को दिनांक 20-५-७८ (मध्याह्न)

से 31-7-78 (पूर्वाह्न) तक तदर्थं आधार पर स्थानापन्न उपनियन्त्रण अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम  
महाप्रबंधक

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1978

सं० 756-सी० ए० 1/54-71 :—अपर उप-नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री एम० डी० जोशी लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को मूल नियमावली 56 (ट) के उपबंध के अधीन तारीख 2-2-78 (अपराह्न) से मरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

प्रार० परमेश्वर  
सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

महालेखाकार, बिहार का कार्यालय, रांची

रांची-2, दिनांक 6 जून, 1978

सं० स्था०-1-ओ० डी०-830 —महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जुगल किशोर प्रासाद को अपने कार्यालय में ही दिं० 12-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था०-1-ओ० डी०-821 :—महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एच० पी० राय को अपने कार्यालय में ही दिं० 10-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

सं० स्था०-1-ओ० डी०-811 —महालेखाकार बिहार, रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री समरेन्द्र धोष को अपने कार्यालय में ही दिं० 11-1-1978 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

दिनांक 9 जून, 1978

सं० स्था०-1-ओ० डी०-890 :—महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० के० गांगुली को अपने कार्यालय में ही दिनांक 12-1-78 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर राहर्ष प्रोन्नत करते हैं।

शैलेन्द्र पाण्डेय  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०) बिहार

महालेखाकार का कार्यालय, केरल  
तिथ्वनन्तपुरम, दिनांक 5 जून, 1978

सं० स्थापना प्र० 7/ 9-86/ खण्ड II/ 68 :—नीचे बताये अनुभाग अधिकारियों (लेखा और लेखा परीक्षा) को लेखा अधिकारियों के रूप में स्थानापन्न होने हेतु प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से अगले आदेशों तक नियुक्त करने के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

1. श्री पी० के० राजन	1-6-78 पूर्वाह्न
2. श्री आंटणी जोस	1-6-78 पूर्वाह्न
3. श्री एस० जनर्दनन	1-6-78 पूर्वाह्न

एस० जयरामन  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक  
नई दिल्ली-110022, दिनांक 5 जून 1978

सं० 18386/प्रशा० 11 :—गण्डपति, 15 अप्रैल, 1978 को हुई श्री वी० एस० सम्पथकुमारन रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, दक्षिणी कमान पूना के निधन को खेद के साथ आल्पित करते हैं। तदनुमार उनका नाम दिनांक 16-4-78 (पूर्वाह्न) से रक्षा लेखा विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

दिनांक 12 जून, 1978

सं० 18300/ प्रशा०-II :—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एन० एन० ठुकराल, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 31-12-78 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा और उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी से निकाल दिया जायेगा।

वी० एस० भीर  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनैन्स एवं आईनैन्स उपस्कर फैक्टरियां  
कलकत्ता-700069, दिनांक 6 जून 1978

सं० 9/78/ए०/ एम० :—डा० जी० एम० सान्धाल, स्थायी सहायक विकिसा अधिकारी, वेहिकल फैक्टरी जबलपुर दिनांक 28-2-78 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

पी० एन० त्रिखा  
निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं  
कूट महानिदेशक, आईनैन्स फैक्टरियां

## वाणिज्य मंत्रालय

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय  
भोपाल 462003, दिनांक 14 मार्च 1978

विषय:—सर्वश्री जनरल फूड्स प्रा० लि०, 150—जाओरोरा कम्पाउंड, इन्दौर, मध्य प्रदेश के नाम में 1206434/- रुपए के लिए जारी किए गए लाइसेंस सं० पी०/ए०/1434246 दिनांक 30-12-1977 की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति को रद्द करने का आदेश।

सं० 12/ ग्रॉयल/77-78/ फी/ए० य० से जारी— सर्वश्री जनरल फूड्स प्रा० लि०, 150 जाओरोरा कम्पाउंड, इन्दौर को अप्रैल मार्च 1978 लाइसेंस अवधि के लिए मामान्य मुद्रा क्षेत्र से इस आदेश के पीछे दर्शाई गई मदों के आयात के लिए 12,06,434/- रुपए के लिए आयात लाइसेंस सं० पी०/ए०/1434246, दिनांक 30-12-1977 प्रदान किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया

है कि उक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि मूल लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क कार्यालय पर पंजीकृत नहीं कराया गया है और उपयोग में भी नहीं लाया गया है।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी व एड्वोकेट, इन्वैर के समक्ष विधिवत् साक्षात्कृत सटाम्प कागज पर एक शपथ-पत्र दाखिल किया है। मैं संतुष्ट हूँ कि 12,06,434/- रुपए के लिए लाइसेंस सं० पी०/ए०/1434246 दिनांक 30-12-1977 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है तथा निदेश देता हूँ कि आवेदक को लाइसेंस सं० पी०/ए०/1434246, दिनांक 30-12-1977 की मुद्रा विनिमय लियंत्रण प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। 12,06,434/- रुपए के लिए लाइसेंस सं० पी०/ए०/1434246, दिनांक 30-12-1977 की मूल मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति रद्द की जाती है।

आर० सी० एम० मैनन,  
उप-मुख्य नियंत्रक  
आयात-नियंत्रित

## लाइसेंस का विवरण

लाइसेंस संख्या और दिनांक	किसने जारी किया	मदे	कब तक वैध	लाइसेंस अवधि	क्षेत्र	मूल्य रुपयों में	उपयोग में लाई गई धनराशि
1	2	3	4	5	6	7	8
पी०/ए०/1434246 30-12-1977	उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित भोपाल	कच्चे खजूर का तेल	31-3-78	अप्रैल-मार्च, 1978	सामान्य मुद्रा धनेक	12,06,434/-	निल
		(सं० 15.07)					

## इस्पात और खान मंत्रालय

## (खान विभाग)

## भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 6 जून 1978

सं० ए० 19012/24/75-स्था० ए०—भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री व्ही० पी० मलीक को 27 अप्रैल, 1978 से 24 जून, 1978 तक तदर्थ आधार पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतन क्रम में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के पद पर श्री एच० आर० एस० राव, प्रशासन अधिकारी के छुट्टी की जगह पर पदोन्नति की गई है।

एस० बालगोपाल,  
कार्यालय अध्यक्ष

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

## फिल्म प्रभाग

बम्बई 26, दिनांक 2 जून, 1978

सं० ए० 31014/9/75-सिबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने निम्नलिखित अफसरों को उनके सामने दर्शित किये हुए तारीख से फिल्म प्रभाग में समाचार अधिकारी के स्थायी पद पर नियुक्त किये हैं।

श्र० नाम क्र०	दिनांक	
1	2	3
1 श्री प्रेम वैद्य	.	11-7-1963
2. श्री एस० टी० बापट	.	1-2-1967
3. श्री सी० रामाणी	.	23-9-1967
4. श्री एन० भास्करा आयर	.	1-8-1972

1	2	3
5. श्री एच० एस० आडवाणी	.	10-12-1975
6. श्री सी० एल कौल	.	1-9-1977

एम० चन्द्रन् नायर,  
प्रशासकीय अधिकारी  
प्रमुख निमत्ता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 13 जून 1978

सं० ए० 12026/5/78-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री आर० के० भैडवाल, तकनीकी सहायक (विज्ञापन) को, श्री प्रणवीर गुप्ता, सहायक माध्यम कार्याधिकारी, जो अवकाश पर है, के स्थान पर, इस निदेशालय में 18-5-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर स्थानापन्त रूप से सहायक माध्यम कार्याधिकारी नियुक्त करते हैं।

सरित कुमार मुखर्जी,  
उप निदेशक,

हृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1978

सं० ए० 12025/16/77-प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री ए० बी० राय को 23 मार्च, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अधिक भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान और जनस्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में पर्यावरणिक सफाई के सह-प्रोफेसर के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 31013/1/78-(एच० क्य०)-स्थापना-I—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० दत्त को दिनांक 18 फरवरी, 1976 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली के केन्द्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन में सहायक औषधि नियंत्रक (भारत) के पद पर स्थायी तौर पर नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 9 जून 1978

सं० 12-13/72-प्रशासन-1—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अनुभाग अधिकारी श्री पी० एन० अग्रवाल 31 मई, 1978 अपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए० 12025/38/76-(जे० आई० पी०)-प्रशासन 1—राष्ट्रपति ने श्री जी० डी० मांगली को 8 मई, 1978 अपराह्न से आगामी आदेशों तक जबाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान पाण्डेचेरी में वरिष्ठ

चिकित्सा रिकार्ड अधिकारी के पद पर स्थानापन्त रूप से नियुक्त किया है।

एस० एल० कुठियाला,  
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय  
(ग्राम विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 5 जून 1978

सं० ए० 19025/29/78-प्र०-III—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 18-2-78 द्वारा दिनांक 12-6-78 तक स्वीकृत सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-I) के पद पर श्री एन० जी० शुक्ला की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 12-9-1978 या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया जा चुका है।

बी० पी० चावला,  
निदेशक, प्रशासन,  
हृते कृषि विषयन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-85, दिनांक 6 जून 1978

संदर्भ : एस०/2515/एफ० आर० डी०/स्थापना-II/2200—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र ने, श्री कमलदेव सदानंद सदी, स्थानापन्त वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड (एस० बी०), बी० ए० आर० सी० द्वारा प्रस्तुत सेवा से त्यागपत्र दिनांक 18 फरवरी, 1978 के अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

पी० एस० वैक्टसुब्रामण्यन  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग  
क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 जून 1978

सं० क्र० भ० नि०/23/9/77/संस्थापन/144803—निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० नारायणनू कुट्टी, सहायक क्रय अधिकारी, क्षेत्रीय क्रय यूनिट कोटा, को अवकाश स्वीकृत होने पर, इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक श्री आर० के० व्यास को दिनांक 17-4-78 से 27-5-78 तक इसी निदेशालय में सहायक क्रय अधिकारी के पद पर रु 650-30-740-35-810 -द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में तदर्थे रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० क्र० भ० नि०/23/9/77-संस्थापन/144809—निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री आर० वी० माथुर, सहायक भंडार अधिकारी भारी पानी परियोजना कोटा को अवकाश स्वीकृत होने पर, इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री आर० ए० गुप्ता को दिनांक 8-5-78 से 9-6-78 तक इसी निदेशालय में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर

र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०रो० 40-1200 के बेतन क्रम में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,  
सहायक कार्मिक अधिकारी,

### अन्तरिक्ष-विभाग

#### भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380053, दिनांक 5 जून 1978

सं० अं० उ० के०/स्था०/1-1-57/78—अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के अंतरिक्ष विभाग के अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र, श्रहमदाबाद के निम्नलिखित कर्मचारियों को स्थानापन्न रूप में उनके नाम के आगे लिखे गए पदों और तारीखों से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है :

क्र० नाम सं०	मौलिक पद	के रूप में वर्तमान स्थाना- पन्न	जिस पद पर नियुक्ति की गई	तारीख
1. श्री बी० बी० लिवेदी	वैज्ञानिक सहायक 'बी'	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-1-76
2. श्री पी० के० व्यास	नक्षानवीस 'ई'	नक्षानवीस 'ई'	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-77
3. श्री एस० आई० लोहार	वैज्ञानिक सहायक 'बी'	वैज्ञानिक सहायक 'सी'	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-77
4. श्री बी० आर० श्रोता	—	फोरमैन	वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी०	1-10-77
5. श्री ए० सी० दबे	—	नक्षानवीस 'ई'	इंजीनियर एस० बी०	9-11-77

सं० अं० उ० के०/स्था०/संचार/अ० भ० के०/15/78—  
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री वी० एम० रावल को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अंतरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र में 24 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

सं० अं० उ० के०/स्था०/संचार/अ० भ० के०/50/78  
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री आर० एन० केसवानी को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अंतरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

के अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र में 18 अप्रैल, 1978 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर,  
प्रधान कार्मिक और सामान्य प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत भौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 14 जून 1978

सं० ए०-32014/3/78ई० आई०—वैष्णव शालाम्रों के महानिदेशक, नई दिल्ली नीचे लिखे व्यावसायिक सहायकों को

दिनांक 18-4-1978 से आगामी आदेश तक स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. वे पहले से ही अन्यायिक के आधार पर महायक मौसम विज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं:

क्रम सं०	नाम	जिस कार्यालय में तैनात है
1.	श्री एस० एन० भान	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अन्तर्गत मौसम केन्द्र, श्रीनगर
2.	श्री के० एस० बी० राजगोपालन	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
3.	श्री बी० सुन्दरेसा राव	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास वैधशालाओं के उपमहानिदेशक (जलवायु विज्ञान), पुणे
4.	श्री एस० आर० गणेशन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
5.	श्री आर० एन० सेन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
6.	श्री य० के० राय	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
7.	श्री आर० चौधरी	निदेशक (उपकरण), पुणे
8.	डा० आनंद प्रकाश	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
9.	श्री ए० के० बन्दोपाध्याय	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता
10.	श्री ओंकारी प्रसाद	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
11.	श्री पी० ई० चेरियन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अन्तर्गत मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम
12.	श्री बी० एम० वरदराजन	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास
13.	श्री चन्द्र प्रकाश	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
14.	श्री आर० एम० सक्सेना	वैधशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली
15.	श्री पी० सी० मुखर्जी	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता
16.	श्री ई० के० राजा	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास
17.	श्री बी० जी० लेसे	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई

क्रम सं०	नाम	जिस कार्यालय में तैनात है
18.	श्री ए० एन० राव	निदेशक (उपकरण), पुणे
19.	श्री जे० य० हिंगोरानी	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
20.	श्री हरीश चन्द्र मेहरा	वैधशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली
21.	श्री जी० एस० प्रकाश राय	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई
22.	श्री आर० बी० केलकर	वैधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वानुमान), पुणे
23.	श्री हरि मोहन कुमार	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
24.	श्री हरनाम सिंह	मर्निकम निदेशालय, नई दिल्ली
25.	श्री एम० एल० काला	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
26.	श्री एन० बी० राय	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
27.	श्री के० सी० सुवैश्या	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
28.	श्री के० एस० वेंकटकृष्णन	वैधशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली
29.	श्री विश्वभर दयाल	वैधशालाओं के महानिदेशक का मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली
30.	श्री ए० एन० चोपड़ा	वैधशालाओं के उप महानिदेशक, (उपकरण), नई दिल्ली
31.	श्री डी० के० रायपाल	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली
32.	श्री ए० के० मुखर्जी	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता
33.	श्री कृष्ण प्रसाद	वैधशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण), नई दिल्ली

गुरुमुख राम गुप्ता,  
मौसम विज्ञानी,  
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा-शुल्क  
समाहर्तालिय

बड़ौदा, दिनांक 17 मई 1978

सं० 5/78—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के वर्ग 'क' के सहायक समाहर्ता श्री एन० जी० पाटिल निर्वर्तन आयु प्राप्त करने पर दिनांक 30-4-78 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

कु० श्री० दिलिपसिंहजी,  
समाहर्ता,  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,  
बड़ौदा

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 जून 1978

सं० 11-टी० आर० (6)/77—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता के इंजीनियरी अधिकारी, श्री रमेश चन्द्र यादव ने, उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के फल-स्वरूप 1 मार्च, 1978 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

क० एस० सिधू,  
नौवहन उप भानिदेशक,

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1978

सं० ए० 19012/471/74 प्रशासन पांच—सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप श्री एस० एस० अहलुवालिया ने केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान-गाला, पुणे में विशेष अधिकारी (लेख निर्देशन) के कार्यालय का कार्यभार 30 अप्रैल, 1978 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० पांच—विभागीय पदो-स्थिति समिति (वर्ग-ख) की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री एन० सुबा राव, पर्यवेक्षक, जो इस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की हैसियत से तदर्थं आधार पर स्थानापन्थ रूप में कार्य कर रहे हैं, को उसी श्रेणी में रु० 650-30-740-810-द० रो०-35-880-40-1000द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तारीख 24-8-1977 के पूर्वाह्न से नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुबा राव अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता की श्रेणी में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

ज० क० साहा,  
अवर सचिव,  
केन्द्रीय जल आयोग

पूर्ति एवं पुर्ववास मंत्रालय  
पुर्ववास विभाग

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय  
प्र० भूमि उद्धार संगठन  
जेपुर-764003, दिनांक 7 जून 1978

सं० पी० 3/1/78-18077-पी०—इस कार्यालय के अधिसूचना सं० पी० 3/1-32657 (पी०) दिनांक 8-9-77 के त्र८ में श्री ए० गोपाल राव की, सहायक अभियंता (वर्ग-खी) के पद पर [650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में पुर्ववास भूमि उद्धार संगठन के ड्रिलिंग सब डिवीजन, पत्तालय और जिला बोलांगीर (उड़ीसा) में तदर्थं रूप में हुई नियुक्ति को 1-3-78 के पूर्वाह्न से 31-3-78 तक की एक महीने की और अवधि के लिये बढ़ाया जाता है।

एन० सत्यमूर्ति,  
प्रचालन अभियंता

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 जून 1978

सं० 6/6/77-प्र०—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री बी० क० टन्डन, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (वर्ग-बी) सेवा के अतिरिक्त ससायक निदेशक/सहायक अभियंता के फ्रेंड में, स्थानापन्थ क्षमता में 30-4-77 से अन्य आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

संसोष विश्वास,  
अवर सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जून 1978

सं० 78/आर० ई०/161/1—आम जनता की सूचना के लिये यह अधिसूचित किया जाता है कि विधिन मध्य रेलवे के चिराला (छोड़कर) से विजयवाड़ा (सहित) खण्ड में 25 किलोवाट ए० सी० विद्युत कर्बन के शुरू होने के सम्बन्ध में सभी सम्पादों पर सड़क के स्तर से 15' x 4" (4.67 मी०), की स्पष्ट ऊंचाई पर गेज बना दिये गये हैं ताकि अधिक ऊंचाई के कारण कोई चीज उन तारों को न छू सके अथवा खतरे वाली कर्जन को विद्युत प्रवाहित तारों के सान्धिय में न आ सके। एतद्वारा जनता को यह अधिसूचित किया जाता है कि वह वाहनों के लदान के समय इस विशिष्ट ऊंचाई को ध्यान में रखें और यह देखे कि सड़क वाहनों के द्वारा ढोये जाने वाले माल की ऊंचाई के। कारण किसी भी हालत में इस ऊंचाई का उल्लंघन न हो। माल की अधिक ऊंचाई के कारण निम्नलिखित खतरे हैं—

(I) ऊंचाई आमान को खतरा होगा और फलस्वरूप सड़क और रेल लाइन अवैश्वद हो जायेगे।

- (II) वाहन ले जाने वाले सामान अथवा उपस्करों को खतरा होगा।
- (III) विद्युत प्रवाहित तारों के सांच्छ्य में आने अथवा उनसे छू जाने से आग लगने और जीवन के जोखिम का खतरा बना रहेगा।

पी० एन० मोहिसे,  
सचिव, रेलवे बोर्ड

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी मध्य भारत एग्री-कल्चर एण्ड होर्टीकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 3 जून 1978

सं० 1142/बी०/560/2935—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दी मध्य भारत एग्रीकल्चर एण्ड होर्टीकल्चर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्ट लांडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 6 जून 1978

सं० 670/560(3)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्ट लांडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापेशन,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,  
तमिल नाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास मेच मार्केटिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्ष्यूडेशन) के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 7 जून 1978

सं० 3577/लिक्ष्यी/560/78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मद्रास मेच मार्केटिंग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (इन लिक्ष्यूडेशन) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

वी० सत्यनारायना,  
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लिमिटेड (इन लिक्ष्यूडेशन) के विषय में।

कानपुर, दिनांक 8 जून 1978

सं० 5792/1590/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिन्द फार्म्स एण्ड डेयरीज लिमिटेड (इन लिक्ष्यूडेशन) का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एम० एल० शाह,  
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,  
यू० पी०, कानपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गोवा मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पानाजी, दिनांक 7 जून 1978

सं० 87/जी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोवा मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह०/- अपठनीय  
गोवा, दमण और दीव

प्रकाश प्राईंटी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

लखनऊ, दिनांक 8 जून 1978

अर्जन रेंज, लखनऊ कार्यालय

निर्देश सं० 101-एम०/अर्जन—यह मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० डब्ल्यू-बी०-7/238 का भाग है तथा जो बजार का सन्दर्भ सान दृगशिल गंज रोड बरेली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रमत्तरक (अन्तरिकों) और प्रन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमत्तरण निश्चिन में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी भाय की बादत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बिशन लाल पुत्र चौधरी मुलख राज (अन्तरक)
2. श्री मदन मोहन भसीन पुत्र हरीकिशन भसीन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्त में पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20क में परिभ्राष्ट है, वही शार्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू० बी० 7/238-बी का भाग स्थित बजारया सन्दलखां इन्वलिश गंज बरेली क्षेत्रफल 512.78 वर्ग मीटर तथा वह सब सम्पत्ति जो फार्म 37-जी तथा सेलडीड जो सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में 29-10-1977 को वर्ज है में वर्णित है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-6-1978

मोहर:

प्रलेप वाई० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य० 23-1/1501 (671)/166/77-78—यतः, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या आशापुरा रोड है तथा जो करसनसिंह जी मिडल स्कूल के दक्षिण में, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-10-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था।

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपायता

(1) के अधीन निम्नलिखि अवितरों, अवैतृत:—

1. श्रीमती शांतावेन उमेदवांद भाई, पावर ओफ एटारनी, होल्डर, 20-बी० लिनन स्ट्रीट, कलकत्ता-16

(अन्तरक)

2. (1) मगनलाल नाराणजी रानपरा,

(2) श्रीमती हीरागोरी मगनलाल रानपरा, "श्री हरी कृपा" मेन आशापुरा रोड, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी व्याप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, घघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अविक्षिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिला मकान जो "श्री हरी कृपा" के नाम से प्रख्यात है तथा जो केन आशापुरा रोड, पर, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वरणन 17-10-77 वाले बिक्री हस्तावेता नं० 2810/78 में दिया गया है।

एस० सी० परीख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 16-6-78

मोहर :

प्रकृप माई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्याय  
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, विनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० जे -69/78-79—यतः, मुझे, के० एस० रामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 5 है, तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है, (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977

म पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी व्याय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की व्याय 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की व्याय 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:—

1. मैसर्से युनाइटेड बिल्डर्स, 9-1-पातमबाकु बाजार सिकन्दराबाद, मैनेजिंग भागीदार (1) सुन्दरमल (2) प्रह्लाद राय और उमराउमल

(अन्तरक)

2. श्री रामधन धर ने 18-215/20 पेन्डरथाट रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उक्त संबंध में कोई भी व्यक्तियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उक्त संबंध में कोई भी व्यक्तियों के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्योकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 5 धर ने 1-7-26 ता 34 और 1-7-206 ता 228 महतमा गनदी रास्ता—सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावे नं० 1711/77 उप रजिस्ट्री कार्यालयर सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सहम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978

मोहरः

प्रसूप आई० टी० एम० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय  
हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978निर्देश सं० नं० 70/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट  
रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 11 घर नं० 1-7-27 ता 34 है, तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(1) युनाइटेड बैलडर्स घर नं० 9-1-41 तमभाकु वाजार सिकन्दराबाद उसके भागीदार हैं (1) सुन्दरमल (2) प्रह्लाद राय (3) उमराओ मल (अन्तरक)

(2) श्रीमती आ० आरीफ बेग 17-69 ज० डी० रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से तुर्ई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबादतारीख : 16-6-1978  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—————  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० 71/78-79-यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० णाप नं० 7 घर नं० 1-7-27 ता-34 है,  
तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी  
के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य-से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रभाव तिविरा में वास्तविक रूप में कर्तित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायितव-  
यं कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रदृढ़ नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरम यैं, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की  
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अपक्रियों, अवति—

(1) मैसर्स युनाइटेड बिलडर्स एम० जी० रास्ता  
सिकन्दराबाद—उसका भागीदार है (1) मुन्द्रमल  
(2) प्रह्लाद राय, (3) उमराओ मल  
(अन्तरक)

(2) ऊषा (मेजर) वहादुरमल के द्वारा घर नं० 21-7-  
740 धोसापुरा, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रामेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अमुसूची

मलगी नं० 7 घर नं० 1-7-27 ता-34 महात्मा गांधी  
रास्ता, सिकन्दराबाद के दस्तावेज नं० 1812/77 सिकन्दराबाद  
में ।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978  
मोहर :

प्रख्युप श्राई० टी० एन० एस० ——

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978  
निर्देश सं० 72/78-79—यतः, मुझे के० एस०  
वेक्ट रामन,

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269म के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 25 घर नं० 1-7-27 ता-34 है, तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है, (और इससे उपावड़ अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिवर्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन केर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उसमें में सुविधा के लिए,

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपचारा (1) के अधीन निम्नालिखित व्यक्तियों, द्वारा:—

(1) युनाइटेड विलडर्स एम० जी० रास्ता सिकन्दराबाद में भागीदार उसके (1) सुन्दरमल (2) प्रह्लाद राय (3) उमरामो मल (अन्तरक)

(2) कुमारी अनीता बाई पिता अमरनाथ घर नं० 21-7-741 घेलापुरा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिमे कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ में साकाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मलगी नं० 25 घर नं० 1-7-27 ता-34 महात्मा गांधी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1744/77 उप रजिस्ट्रार सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेक्ट रामन  
सशम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978

मोहर :

प्रृष्ठा प्राई ० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978  
निवेश सं० 73/78-79—यतः, मुझे, के० एस०

वैकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 3 घर नं० 1-7-26 ता-34 है, तथा  
जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को  
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए सम्मति की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाय  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपचारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—  
3-136GI/78

(1) युनाइटेड विलडर्स घर नं० 9-1-41 बाजार  
सिकन्दराबाद में भागीदार (1) सुन्दरमल (2)  
प्रह्लाद राय (3) उमराम्रो मल  
(अन्तरक)

(2) मैरसं सुन्दरमल भरत कुमार कम्पनी 2-1-41  
बाजार, सिकन्दराबाद में  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीर्वाची व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्यक्ष द्वारा अधोदृष्टान्तरी के पास निखिल  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वहीं  
मर्य होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 3 घर नं० 1-7-26 ता-34 महारामा गांधी  
रास्ता निम्नलिखित दस्तावेज नं० 1736/77  
उप रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एस० वैकट रामन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978

पोहरः

प्रखण्ड आई० दी० एस० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन भूक्ता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० 74/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेक्ट रामन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी साधारण प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी नं० 10 घर नं० 1-7-26 ता-34 है, तथा जो मिकन्दराबाद में स्थित है, (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से नुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसो किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, विभान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मैसर्स युनाइटेड विल्डर्स 9-1-41 तबाकु बाजार सिकन्दराबाद जिसके भागीदार (1) सुन्दरमल  
(2) प्रह्लाद राय (3) उमराओ मल (अन्तरक)

(2) मे० आरीफ बेग घर नं० 1-7-69 एस० दी० रास्ता सिकन्दराबाद में (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः:—

(क) इस सूचना द्वारा राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि थाए में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितःद्वारा किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय भें दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 10 घर नं० 1-7-27 ता-34 महात्मा गांधी रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1734/77 इप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद में।

के० एस० वेक्ट रामन  
सभी साधारण प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 16-6-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइ. टो० एन० एस०

आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० नं० 75/78/79—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आधिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 10-2-198-199 है, तथा जो मारेडपली में स्थित है, (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27 अक्टूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिये उक्त सम्पत्ति का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पश्चात् प्रतिक्रिया प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या इसी धन या धन्य-धास्तियों को जिन्हे शारीर आधिकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वत् :—

सर्वश्रो

- (1) (1) वी० लीनरामूति  
(2) वी० मदन कुमार  
(3) वी० प्रदीप कुमार  
(4) वी० शिव कुमार  
(5) वी० प्रताप कुमार नेश्ता-5 छोटे होने की वजह से पिता उनका अधीकार है वी० लीनरामूति घर नं० 8-1-309 शिवाजी नगर सिकन्दराबाद।  
(6) ए० लीनगप्पा पति ए० राजप्पा,  
(7) श्रीमती सी० सिवाल शर्मा पती रामचन्द्र (अन्तरक)
- (2) श्री एन० के० रामलाल पिता गिरधारी लाल घर नं० 3-732 जुमेरात बाजार, निजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाषेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारी किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उग्र प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 256/सी०/1 एम० सी० नं० 10-2-198, 199 मरिडपल्सी सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1797/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय, निकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आधिकर आयुक्त (निरीकण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978

मोहर :

प्रकाप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्न रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० नं० 78/78-79—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विवादात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है) की धारा 269-व के प्रधीन संबंध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मलगी नं० 2 घर नं० 1-7-26 ता 34 है, तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन लिखित अधिकारों अवधारः—

(1) मैसर्स युनाइटेड विल्डर्स एम० जी० सिकन्दराबाद में उसके भागीदार है (1) सुन्दरमल (2) प्रह्लाद राय (3) उमरामो मल

(अन्तरक)

(2) कुमारी उमा (मैनर) जिसका वेकने वाला बालमुकुन्द गुप्ता घर नं० 21-6-739 धेलापुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अपव्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त अन्यों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अचं होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 2 घर नं० 1-6-26 ता 34 एम० जी० रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री कार्यालय वस्तावेज नं० 1813/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सहायक भायकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)  
भायन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1978  
मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली कार्यालय  
4/14क, आसफाली मार्ग नई दिल्ली

नई दिल्ली-1 दिनांक 15 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/1309/78-79/  
1098—यतः, मुझे, एन० एस० चौपड़ा,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन  
संक्षेप प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर  
संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य, 25,000/- वर्ष से प्रधिक है  
और जिसकी सं० डी०-67 है, तथा जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख 6 अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावन, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तराल के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/  
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवहार के अन्य आस्तियों को  
जिसमें भारतीय आय कर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाता आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व सी उपधारा (1)  
में के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मंगत राम कपूर, सुपुत्र श्री दीना नाथ कपूर,  
निवासी 13/5, रामेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मंगल सैन भला, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मोहन लाल  
भला, निवासी डी०-67, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रथ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 200 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट  
पर बना हुआ है, जिसका नं० डी०-67 है, कीर्ती नगर, नई दिल्ली  
में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : लेन

पश्चिम : पार्क

उत्तर : जायदाद नं० डी-66

दक्षिण : जायदाद नं० डी-68

एन० एस० चौपड़ा,  
सक्रम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-6-1978

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

‘आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, दिल्ली-1  
4/14क, आसफगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली  
नई दिल्ली-1, दिनांक 14 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1308/78-79/  
1098—यतः, मुझे, एन० एस० चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त प्रधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-अ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-2/4 है, तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में  
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18 अक्टूबर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए भौत्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा  
के लिए,

यतः यद्युपर्यन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री स्वर्ण सिंह, सुपुत्र श्री गुरदियाल सिंह तथा  
श्रीमती स्वर्ण कौर, पत्नी श्री स्वर्ण सिंह, निवासी  
ए-1, शंकर नगर, कृष्ण नगर के पास, दिल्ली-51  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कैलाश कुमारी, पत्नी श्री बलराम, निवासी  
ए-100/3, ईस्ट आजाद नगर, दिल्ली-1  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

मकान जोकि 166.2/3 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर<sup>1</sup>  
बना हुआ है, जिसका नं० डी-2/4 (प्लाट नं० 4, ब्लॉक  
नं० डी-2) है, कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित  
है:—

पूर्व : प्लाट नं० डी-2/5 पर मकान

पश्चिम : प्लाट नं० डी-2/3 पर मकान

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड।

एन० एस० चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-6-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, विनांक 16 जून 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-III/  
अक्टूबर/755/78-79—यतः मुझे, ए० एल० सूद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डी-1/ए है, तथा जो एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और हसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण म हुई (किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविष्य के लिए; श्रीग/सा

(ख) ऐसो हिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविष्य के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० प्रीतम सिंह, सुपुत्र एस० जीवन सिंह, निवासी क्यू-25, माडल टाउन, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्रीमती ईश्वर लूँड, पत्नी श्री वासदेव लूँड, निवासी ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 866 वर्ग गज है और नं० डी-1/ए है, जिसके ऊपर द्वाई मंजिला बिल्डिंग भी बनी हुई है, निवासी कालोनी न्यू दिल्ली साउथ एक्सैटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली के कोटला मुबारकपुर, दिल्ली नगर निगम के एरिया में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : मकान नं० डी-1

उत्तर : रिंग रोड 150' चौड़ी

दक्षिण : सविस लेन।

ए० एल० सूद  
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16-6-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 209/एस० एच० के०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो संगोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लग पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप्रैय से उक्त प्रस्तरण सिवत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपलब्धा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, वर्षीत:—

- (1) श्री वीर सिंह पुत्र ज्ञान सिंह गांव संगोवाल तहसील शाहकोट, जिला कपूरथला, (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लोह माता बाबा भाई अदली चोला साहिब, तरन-तारन। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह अक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह अक्षित जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अधिकारीयों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के प्रमाण 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है।

अनुसूची

संगोवाल गांव में 46 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 1378, नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, शाहकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 30-5-1978.

मोहर:

प्रख्यात प्राइंटी ट्री. एम. एस. —————  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिडा,

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं. ३० पी० २१०/एस० एच० के०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी भं० जैमा कि अनुसूची में नियमा है। तथा  
जो काकरा कलां में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ग्रोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपषारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-136GI/78

(1) श्री करतार सिंह पुन्न बसंत सिंह पुन्न माला  
सिंह, गांव कारा कलां तहसील नकोदर।  
(अन्तरक)

(2) श्री मेहर मिह पुन्न लाभ सिंह गांव कोट्सा  
सूरज मल तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

(3) जैमा कि ऊपर नं० २ में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृंदन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्वरूपीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

काकरा कलां गांव में 45 कनाल 16 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 1373 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता  
प्राधिकारी शाहकोट में लिया है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978.

मोहर :

प्रकृपा माइंटी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टडा,

भट्टडा, दिनांक 30 मई 1978

निवेश सं० ए० पी० 211/एस० एच० के०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पूरीयां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रतकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के अन्तरण में, और, उक्त अधिनियम, की धारा 269वां की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवकृपा—

(1) श्री जसवंत सिंह पुत्र जैमल सिंह गांव धैरी तहसील नाभा द्वारा बहादुर सिंह पुत्र बंता सिंह (मुख्यारे आम), गांव लसुरी तहसील नकोदर।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती छण्डा देवी पत्नी मोहन लाल पुत्र हर-बंस लाल गांव तलवण्डी, बुटिया तहसील नकोदर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके द्वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पूरीयां गांव में 78 कनाल 10 मर्ले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1308 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख: 30-5-1978.

मोहर:

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० १० पी० २१२/पी० एच० जी०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
जगत्पुर जट्टां में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख, नवम्बर, 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमरीक सिंह, अजीत सिंह, बलदेव सिंह और  
जोगिन्द्र सिंह पुत्रान् और बलदेव कौर, अजीत  
कौर, हरजिन्द्र कौर, महिन्द्र कौर पुत्रीयां भाग-  
बंती विधवा गुरवकश सिंह, गांव रुड़के, तहसील  
फगवाड़ा। (अन्तरक)

(2) श्री मनिन्द्रजीत सिंह पुत्र साधु सिंह वासी सुनेर खुर्द  
तहसील फगवाड़ा, जिला कपूरथला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 0 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जगत्पुर जट्टां गांव में 17 कनाल 11 मरले जमीन जैसा  
कि चिनेख नं० 1316 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिडा,

तारीख: 30-5-1978.

मोहर:

प्रृष्ठप शाई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायदाय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी० 213/पी० एच० एल०/78-79—यतः  
मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो शमसाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से इच्छित महीं किया थया है।—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिम्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तेजा सिंह पुल केरह सिंह पुल हीरा सिंह वासी शमसाबाद तहसील फिलौर

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्र सिंह, सुरिन्द्र सिंह पुलान खजान सिंह पुल राम सिंह वासी शमसाबाद तहसील फिलौर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायदायित द्वारा होनी चाहीए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्रबद्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

शमसाबाद में 68 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3247 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी०-२१४/एफ०जेड०आर०/७८-७९—  
यतः मुझे, पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
सोडी नगर में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुश्यमान के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुश्यमान के लिए;

ग्रन्तः, यब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री जीवा मिह, दर्शन सिंह पुवान उजागर मिह,  
2. उजागर सिंह पुव सुन्दर सिंह पुव फतह मिह  
सोडी नगर तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरजीत सिंह पुव ठाकुर सिंह पुव कुन्दन सिंह  
वासी सोडी नगर तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अप्रोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदा का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभासित है, वही  
मर्य होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सोडी नगर में 65 कनाल 6 1/5 मरला जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 3507 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी  
फिरोजपुर में लिखा है।पो० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भट्टिडा

दिनांक : 30-5-1978

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 30 मई 1978

निर्देश सं० ए० पी०-२१५/एस० पी० एल०/७८-७९—  
यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
साबुवाल में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सुलतान पुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों को  
जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, उपनामे में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपनामा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, घर्षतः—

(1) श्री उत्तम चन्द्र पुत्र लीला राम, गांधी कालोनी  
मकान नं० एम०/७ राजपुरा टाउन शिव नं०  
2।  
(अन्तरक)

(2) श्री बखशीश सिंह, प्रताप सिंह पुत्रान शिंगारा  
सिंह गांव टोडरवाल तहसील सुलतानपुर लोधी।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 मे है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

टोडरवाल गांव में 75 कनाल जमीन जैसा कि विलेख  
नं० 1213 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतान  
पुर लोधी में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 30 मई, 1978

निदेश सं० नं० पी०-216/एस० पी० एल०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो साबुवाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतान पुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् ।—

(1) श्री दयाल चन्द्र पुत्र लीला राम पुत्र के सु राम गांधी कालोनी मकान नं० एम०/७ राजपुरा टाउनशिप-२। (अन्तरक)

(2) श्री बखशीश सिंह, प्रताप सिंह पुत्रान शिंगारा सिंह गांव टोडरवाल और करमेल सिंह, जसवन्त सिंह पुत्रान जोध सिंह, गांव टोडरवाल। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

साबुवाल गांव में 62 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1214 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुलतान पुर लोधी में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जु रेंज, भटिंडा

तारीख: 30-5-1978

मोहर:

प्रकृप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज भट्टिंग कार्यालय

भट्टिंग दिनांक 30 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी०-२१७/ फ० जेड० आर०/७८-७९—

यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोढ़ी नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्णता प्राप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी नहीं पाया गया तथा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था तथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की जिम्मा;

यतः प्रवृत्ति उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अमरनाथ पुत्र चेत राम गांव सोढ़ी नगर तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शोभा सिंह पुत्र केहर सिंह और गुरबचन सिंह, गुरचरण सिंह और रेशम मिह पुत्रान सोभा सिंह गांव रुकना भंगला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पादित है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सोढ़ी नगर गांव में 40 कताल गमीन जैसा कि विलेख नं० 3836 नवम्बर 1977 में लिखा है। रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी फिरोजपुर।

पी० एन० मलिक  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेज भट्टिंग

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-218/एम० जी० ए०/78-79—

यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो छोड़ी पाड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्दरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

5-136G/78

1. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री माधी मल पुत्र मैदाना मल वासी लुधिअना।

(अन्तरक)

2. श्री गुरनाम सिंह, दर्शन सिंह बेटे उधम सिंह गांव छोड़ी पाड़ी तहसील जीरा।

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

छोड़ी पाड़ी गांव में 125 कनाल 17 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 4433 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में दिया गया है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 30-5-78

मोहर।

प्रूप पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज भट्टिंडा कार्यालय

भट्टिंडा, दिनांक 30 भई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२१९/एम० के० टी०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मतिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
रूपाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिक्ति  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक  
के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम'  
या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों पर्वतः:—

(1) श्री चन्द कौर पुत्री गुरदित सिंह [पुत्र खजान  
सिंह वासी रूपाना तहसील मुक्तसर]।

(अन्तरक)

(2) गुरबिन्द्र सिंह उर्फ सरदूल सिंह पुत्र जंग सिंह  
पुत्र लाल सिंह वासी रूपाना।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधान्य 20-क में  
परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधान्य  
में दिया गया है।

अनुसूची

रूपाना गांव में 39 कनाल 19 मरले अमीन जैसा कि  
विलेख नं० 1579 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मुक्तसर में लिखा है।

पी० एन० मतिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिडा कार्यालय

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 220/एफ० जेड० आर०/78ब79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है और जिसकी सं०जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सोढ़ी नगर में  
स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 19)  
के अधीन, तारीख नवम्बर 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में  
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
पन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण  
में, जो उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपबारा (1)  
के अन्तर्म; निम्नलिखित अवक्षिताओं, अवार्ता :—1. श्री भान सिंह, महिन्द्र सिंह पुत्र उजागर सिंह पुत्र  
सुन्दर सिंह गाव सोढ़ी नगर।

(अन्तरक)

(2) सुखचैन कौर पत्नी ठाकुर सिंह पुत्र कुन्दन सिंह  
वासी सोढ़ी नगर तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधार्य 20-क में परिभ्रान्ति है, वही  
पर्यंत होगा जो उस प्रधार्य में विद्या गया है।

## अनुसूची

सोढ़ी नगर में 43 कनाल 10 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 3667 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी फिरोजपुर में लिखा है।पी० एन० मलिक  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 30 मई, 1978

निवेश सं० ए० पी० 221/जी० एस० आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है,

और जैसी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पोसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रायुक्त से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रण सिंह पुत्र अजमेर सिंह पुत्र सुरजन सिंह गांव पोसी तहसील गढ़ शंकर।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र लठमन सिंह पुत्र कहारपुर तहसील गढ़ शंकर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पोसी गांव में 24 कनाल और 8 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2396 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिला

भट्टिला, दिनांक 30 मई 1978

निवेश सं० ए० पी०-२२२/एन० डॉल्यू० एस०/७८-७९—  
यत्. मुझे पी० एन० मलिकग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व  
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
जंडियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय नवाँ शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्तितः—

1. श्री मदन लाल पुत्र साहिब दास गांव जंडियाला  
तहसील नवाँ शहर।

(अन्तरक)

(2) श्री बतना राम पुत्र मोती राम गांव जंडियाला  
तहसील नवाँ शहर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जंडियाला में 24 कनाल जमीन जैसा कि विलेख  
नं० 3332 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवाँ  
शहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सकार प्राधिकारी  
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिला

तारीख : 30 मई, 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं. ए० पी० 223/एस० पी० एल०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा  
269-व के प्रधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
साबुवाल में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सुलतानपुर लोधी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या, उक्त प्रधिनियम  
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते  
में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व के  
अनुसरण में है, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की  
उपद्धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

(1) श्रीमती प्यार कौर (विधवा) और अजीत सिंह,  
जोगिन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, हरबंस सिंह (पुत्रान्)  
शिव इन्द्र कौर पुन्नी बसाखा सिंह गांव साबुवाल  
तहसील सुलतान पुर लोधी

(अन्तरक)

(2) श्री तारा सिंह, गुज्जर सिंह, उजागर सिंह और  
नाजर सिंह पुन्न भगत सिंह गांव हृसैनपुर डोलो  
बाल तहसील सुलतान पुर लोधी।

(अन्तरित)

(3) जैसा कि नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
लिए कार्याद्विया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रचालकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रधायाय  
में दिया गया है।

अनुसूची

साबुवाल गांव में 43 कनाल 17 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं. 1125 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
सुलतानपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
समाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 30-5-1978

मोहरः

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी०-२२४/एफ० जेड० आर०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
सोही नगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के  
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य प्राप्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के  
अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घोषितयों अर्थात् :—(1) श्री ठाकर सिंह पुत्र कुन्दन सिंह पुत्र धन्नासिंह,  
तेज कौर विधवा, करतार कौर, चिन्दो और  
दलजीत कौर पुत्री श्री कुन्दन सिंह पुत्र धन्ना सिंह  
वासी सोही नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखवेद सिंह, बलविन्द्र सिंह और करनेल  
सिंह पुत्रान बचित्तर सिंह पुत्र करतार सिंह गाँव  
सोही नगर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य अविक्षि द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सोही नगर में 87 कनाल 9 मरले जमीन जैमा कि  
विलेख नं० 3655 नवम्बर 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी  
फिरोजपुर में लिखा है।पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रसूप ग्राही० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा  
भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-225/एफ० जेड० आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पात्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
सौढ़ीवाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हृदि किसी प्राप्त को बांधन उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की  
दृप्रधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों अन्तर् ।—

(1) श्री ठाकुर सिंह पुत्र कुन्दन सिंह पुत्र धन्ना सिंह  
तेज कौर विधवा करतार कौर, चिन्दो और  
दलजीत कौर पुत्री कुन्दन सिंह पुत्र धारा सिंह  
मुख्तयारे आम ठाकुर सिंह वारी सौढ़ी नगर।  
(अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह, बलविन्द्र सिंह, करनैल सिंह,  
पुत्रान बच्चितर सिंह पुत्र करतार सिंह, गांव  
सौढ़ी नगर, बांदर सिंह, अमरीक सिंह पुत्रान  
करनैल सिंह पुत्र शंडा सिंह गांव भामा लेडे।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)  
(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरित अक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के  
भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित  
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, अन्ती अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

सौढ़ीवाला गांव में 87 कनाल 9 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 3506 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख: 30-5-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट ट्री० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269-वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२२६/एफ० जेड० आर०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा  
269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संठ जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जो सोढ़ी नगर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, सारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधिक नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वादत उक्त अधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रान्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा नहीं लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे प्रारंभी भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-वा की उपधारा  
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवक्षित:—  
6—1360/1/77(1) श्री सोढ़ी मलविन्द्र सिंह पुत्र सोढ़ी अवतार सिंह  
पुत्र सोढ़ी साधु सिंह बासी सोढ़ी नगर तहसील  
फिरोजपुर। (अन्तरक)(2) श्री जान सिंह, हरबंस सिंह पुत्रान सुरजन सिंह पुत्र  
झंडा सिंह गांव लोहगढ़ तहसील फिरोजपुर  
(अन्तरिती)(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)(4) जो अक्षित सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित  
हैं, वही अर्थ हीशा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सोढ़ीनगर में 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं०  
3556 नवम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर  
में लिखा है।पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रष्टप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 227/एफ० जेड आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हप्ते से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
सोढ़ीनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाशा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः यह उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अस्ति० :—

(1) श्री ज्वाला दास पुत्र दिवान चन्द्र पुत्र शिवदयाल  
सोढ़ी नगर द्वारा सोढ़ी मलविन्द्र सिंह पुत्र अवतार  
सिंह सोढ़ी वासी सोढ़ी नगर तहसील फिरोजपुर  
(अन्तरिती)

(2) श्री शान सिंह, हरबंस सिंह पुत्रान सुरजन सिंह  
पुत्र जंडा सिंह वासी लोहगढ़ तहसील फिरोजपुर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवा रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

इष्टोक्तरम् :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सोढ़ी नगर में 32 कनाल जमीन जैसा कि विलेख  
नं० 3555 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी फिरोजपुर  
में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30 मई, 1978

मोहरः-

प्र० राम प्राई० टी० एन० एस०—  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ग (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]

अर्जन रेज, भट्टडा  
भट्टडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-228/पी० एच० जी०/78-79—

यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूम्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जगत पुर जटां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूम्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भूतरक (भूतरकों) और भूतरिती (भूतरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुखरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारित:—

(1) सर्वश्री अमरीक सिंह, अजीत सिंह, बलदेव सिंह, जोगिन्द्र सिंह (पुत्रान) और बलदेव कौर, अजीत कौर, हरजिन्द्र कौर और महिंद्र कौर पुत्रियां श्रीमती भगवांती विधवा गुरबक्ष सिंह गांव रुड़की तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरक)

- (2) सुखनन्द सिंह पुत्र साधू सिंह गांव सुनेर खुद तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जगतपुर जटां गांव में 17 कनाल 11 मरले जमीन जैसा कि बिलेख नं० 1314 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर:

प्रकाप ग्राई० थी० एन० एत०—  
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा  
भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२२९/एफ० जेड आर/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बाग के पिपल में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्क्रियत में बास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या इनकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः धर्व, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,  
उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा (1) के उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधातः :—

(1) श्रीमती बिमला देवी पन्नी राधा श्याम अनाज  
मंडी, फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) मोहन सिंह, प्यारा सिंह, शिंगारा सिंह, सरवन  
सिंह पुत्र शंकर सिंह गांव बाग के पिपल तहसील  
फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**लक्ष्यकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही पर्यंत होगा, जो उक्त अध्याय में विवा-  
गया है।

### अनुसूची

बाग के पिपल गांव में 60 कनाल 2 मरले जमीन  
जैसा कि विलेख नं० 3525 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी फिरोजपुर में सिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 30-5-78

मोहर :

प्रकाश प्राइवेट ट्री. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा कार्यालय

भट्टा, दिनांक 30 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी०-230/बी० टी०/78-79—यत.  
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो  
भाइरूपा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रामपुरा फूल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक  
(भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः, यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के  
मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लाल सिंह पुत्र रुड़ सिंह पुत्र खड़क सिंह  
गाव भाई रूपा तहसील रामपुरा फूल  
(अन्तरक)

(2) श्री करनैल सिंह, दर्शन सिंह, दारा सिंह पुत्रान  
कौर सिंह पुत्र हरदयाल सिंह गाव भाई रूपा  
तहसील रामपुरा फूल।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भवित्व के प्रतीक के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भाइरूपा में 46 कनाल 8 मरले जमीन जैसा कि  
विलेख नं० 2592 नवम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
रामपुरा फूल में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रज, भट्टा

तारीख: 30 मई, 1978

मोहर:

प्रृष्ठप्राप्तां 10 एन० एस० —

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२३१/एफ० जेड० आर०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है,

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बागेवाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कणित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम्य की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी ग्राम्य या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवार्ता:—

(1) श्री किशन सिंह पुत्र बागेवाल सिंह पुत्र दया सिंह गाव बागेवाल तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरक)

(2) सवेशी स्वर्ण सिंह, पूर्ण सिंह, जस्सा सिंह पुत्रान जगतार सिंह पुत्र अमर सिंह गाव सतिआवाला तहसील फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एक्सेक्युटिव:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बागेवाल गांव में 24 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 3454 नवम्बर 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, भटिडा  
भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 232/एफ० जेड० आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
खाई में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए प्रस्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोपण लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं  
किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने  
या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब; उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

(1) श्री खुती राम पुत्र अमीर चन्द्र पुत्र माधी राम  
गांव खाई। (अन्तरक)

(2) श्री नौनिहाल मिह गुरमेल सिंह पुत्रान मोहोदा  
सिंह पुत्र सुरेन सिंह गांव खाई। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति भम्पति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के  
लिए अन्यायियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी  
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

द्यस्त्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभ्रान्ति है  
वही पर्यंत होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

खाई गांव में 44 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं०  
3445 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर  
में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रन्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रारूप ग्राही० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा

भट्टा, दिनांक 30 मई, 1978

निवेश सं० ए० पी०-२३३/एफ० डी० के०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का, पक्षह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तारक (प्रस्तरकों) और (प्रस्तरिती) (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्ष प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षीतः—

(1) श्री बलवन्त सिंह पुत्र इन्द्र सिंह पुत्र मोहन सिंह कोटकपूरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्यावंती विधवा दिवान चिरन्जी लाल पुत्र दीवान जीवा राम वासी नाभा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपूरा फरीदकोट सड़क पर एक 500 गज का प्लाट जैसा कि विलेख नं० 2533 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भट्टा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राई० टी० एन० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२३४/एम० जी० ए०/७८-७९—  
यतः मुझे पी० ए० न० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
छीआं पाड़ी में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त विधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।प्रक: मर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-वाँ की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित विधियों, वर्णित :—

7-136GI/78

1. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र माधी मन पुत्र मैत्री मल  
वासी लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री लखमीर सिंह पुत्र फौजा सिंह पुत्र दल सिंह  
वासी छीआ पाड़ी तहसील जीरा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)।(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना  
की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

छीआं पाड़ी गांव में 59 कनाल 17 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 4435 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जीरा में लिखा है।पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी०-२३५/एच० एस० आर०/७८-७९—

यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुलाम हुसैन में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्युपर्याप्त अन्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी प्रर्णात्:—

(1) श्री सोहन लाल पुन्न सन्त राम वासी बस्सी गुलाम हुसैन जिला हुशियारपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ राम पुन्न श्री भाग राम और श्रीमती कमलेश पल्ली तीर्थ राम वासी पालदी जिला हुशियारपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बस्सी गुलाम हुसैन में 66 कनाल 9 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2976 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशियारपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख: 30-5-78

मोहर:

प्रदूष साई ० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिडा कार्यालय

भट्टिडा, दिनांक 30 मई, 1978

निर्देश सं० ए० पी०-२३६/पी० एच० जी०/७८-८९—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
जगत पुर जटां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
मानविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपचारा (1) के  
अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह, अजीत सिंह, बलदेव सिंह,  
जोगिन्द्र सिंह, बलदेव कौर, अजीत कौर, हरजिन्द्र  
कौर और महिन्द्र कौर पुनियां भागवती विधावा  
गुरबक्ष सिंह गांव रुड़के तहसील फगवाड़ा  
(अन्तरक)

(2) श्री पवित्र सिंह पुत्र साधू सिंह गांव सुनेर  
खुर्द तहसील फगवाड़ा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके  
प्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो  
भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी प्रथम अर्जन द्वारा, प्रबोड्स्ट्राक्टरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

जगतपुर जटां गांव में 17 कराल 11 मरले जमीन  
जैसा कि विलेख नं० 1315 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिंग कार्यालय

भट्टिंग, दिनांक 30 मई 198

निवेश सं० ए० पी०-237/एफ० जेड० आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
बाजवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण - कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और मन्त्रक (मन्त्रको) और  
अन्तरिती (अन्तरितिधा) के बीच ऐसे मन्त्रण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) मन्त्रण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ मन्त्रित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) श्री जगीर सिंह पुत्र चतुर सिंह पुत्र हीरा सिंह  
गाव बाजवाला।

(प्रत्तरक)

(2) श्री खुशहाल सिंह पुत्र सुरेन सिंह पुत्र माया सिंह  
वासी सोढीनगर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति,  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति आन्तरिति के अर्जन के  
लिए कार्यकार्यालय करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभा-  
षित हैं, वही मर्धे होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बाजवाला गांव में 41 कनाल 15 मरले जमीन जैसा  
कि विलेख नं० 3532 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी फिरोजपुर में लिखा है।पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भट्टिंग

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रखण्ड आई०टी०एन०एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, भटिंडा  
 भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश मं० ए० पी०-238/एस० एच० के०/78-79—  
 यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा  
 जो मेवा सिंह वाला मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
 सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977  
 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
 के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की घावत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलबंत सिंह पुत्र अमर सिंह गांव मेवा सिंह वाला  
     तहसील शाहकोट  
     (अन्तरक)
2. श्री उत्तम सिंह पुत्र हरनाम सिंह  
     गांव मेवा सिंह वाला, तहसील शाहकोट  
     (अन्तरिती)
3. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।  
     (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
     में सम्पत्ति है।)
4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में  
     अधोहस्ताक्षरी जानता है कि  
     वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
     45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
     सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
     अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
     व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
     45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
     किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
     लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
 है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

### अनुसूची

मेवा सिंह वाला गांव में 29 कनाल 15 मरने जमीन जैसा  
 कि विलेख नं० 1196 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 शाहकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, भटिंडा

तारीख : 30 मई, 1978  
 मोहर :

प्रस्तुत माई० ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 239/फिरोजपुर/78-79—यतः मुझे  
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो तलवंडी  
भाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तारित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक  
(प्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
प्रत्यरकण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त प्रत्यरकण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरगत में दुई दिनों आगे की बातत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के  
शायदि में कभी करने या उससे बचने में मुविषा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथं प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, किंगते में सुविषा  
के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपबाहा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरजीत सिंह पुल जुगराज सिंह पुल राजिन्द्र सिंह  
वासी बाड़ा जबाहर सिंह बाला

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र सिंह पुल नरेन सिंह पुल उत्तम सिंह  
निवासी तलवंडी भाई

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यशाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

उपबोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

तलवंडी भाई में 22 कनाल और 4 मरले जामीन जैसा कि  
विलेख नं० 3503 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
फिरोजपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 30 मई, 1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

नि० सं० ए०पी० 240/के०पी०आर०/78-79—यतः मुझे  
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो साबुवाल  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुलतानपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी भाय की वादत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों अर्थात्:—

1. श्री सुचा सिंह और गुरदेव कौर (पुत्री) अमर कौर  
विधवा व्यारा सिंह  
गांव साबुवाल, तहसील सुलतानपुर लोधी  
(अन्तरक)
2. श्री सोहन सिंह पुत्र गजर मिह पुत्र केसर सिंह  
हरनाम सिंह पुत्र पिंड पुत्र केसर मिह  
गांव व्यारा तहसील सुलतानपुर  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हूचि रखता है।

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविक्षियों पर  
भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

साबुवाल गांव में 18 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि  
विलेख नं० 1130 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी  
सुलतानपुर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 30 मई, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एम०एस०--

1. श्री विलोक चन्द्र पुत्र चेत राम पुत्र माया राम  
गांव सोढीनगर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 241/एफजेआर०/78-79—यतः,  
मुझे पी० एन० मलिक  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि इसाबर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इ०  
से अधिक है

और जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो सोढीनगर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य के क्रम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यक्षापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तथ पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से दुई किसी आय की आवत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या प्रथा प्राप्तियों  
को जिस्तें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थे अस्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः प्रथा, उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुदरण  
में, जे, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः—

2. श्री सोभा सिंह पुत्र केहर सिंह पुत्र काहन सिंह  
और गुरबचरन सिंह गुरचन सिंह  
और रेणम सिंह  
पुत्रान सोभा सिंह पुत्र केहर सिंह  
वासी सोढी नगर

(अन्तर्गत)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही प्रथं होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सोढीनगर में 40 कनान जमीन जैसा कि विलेख नं० 3837  
नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख: 30 मई, 1978

मोहर:

प्रस्तुत आहू ३० एन० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 30 मई, 1978

नि० सं० ए०पी०-२४२/फल/७८-७९—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा राजोबाल में स्थित है (और इससे उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और इन्तरक (इन्स्टरक्स) और अन्तरिती (अन्स्टरिटियों) के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

8-136GI/78

1. श्रीमती चानन कोर विधवा राम सिंह पुत्र हरनाम सिंह निवासी फरवाल तहसील फिलौर (अन्तरक)
2. श्री प्रीतम सिंह, प्यारा मिह, पुत्रान बनवन्त मिह पुत्र उत्तम सिंह (2) जोध मिह पुत्र जीता मिह पुत्र उत्तम मिह गांव राजोबाल तहसील फिलौर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को अवधि या तस्वीर्व्याप्ति व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राजोबाल गांव में 57 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3092 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिंडा

तारीख: 30 मई, 1978  
मोहर:

प्रूल्प आई० ट्री० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 243/एफ० 2 आर०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कि सोहीनगर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल  
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दारिद्र्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें मार्टीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
युक्तिया के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को आय 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री देवी दयाल पुत्र चेत राम पुत्र माया राम  
कासी सोहीनगर तहसील फिरोजपुर, (अन्तरक)
- (2) श्री सोभा सिंह पुत्र केहर सिंह काहना सिंह  
गांव रुकना मुंगला। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण 1—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सोहीनगर गांव में 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख  
नं० 3766 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी फिरोजपुर  
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज भट्टिडा

तारीख : 30-5-78.  
मोहर :

प्रक्रम प्राई. टी. एन. एस. ——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं. ए. पी. 244/एफ. धी. के. 78-79—  
यतः मुझे पी. एन. मसिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 1—

(1) श्री मथरा दास पुन्न सन्त राम पुत्र सुरता मल वासी जैतो।

(अन्तरक)

(2) श्री केदार नाथ सोहपत राए पुत्रान चानन सिंह धी. X/157 डा. किशोर चन्द गली जैतो।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क. में परिभासित हैं वहीं प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डा. किशोर चन्द वाली गली जैतो में एक मकान जैसा कि विलोख नं. 980 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतों में लिखा है।

पी. एन. मसिक  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 245/एफ० डी० के०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग नियिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से त्रुटि किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी छन या ग्रन्थ अस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः:—

(1) श्री चन्द्र सेन पुत्र भोला राम पुत्र सिरी राम वासी कोटकपूरा (अन्तरक)

(2) डा० कश्मीर चन्द्र बंसल पुत्र विहारी लाल पुत्र रौनक राम वासी कोटकपूरा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रन्थाय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपूरा में रेलवे बाजार के पीछे एक मकान जैसा कि विलेख नं० 2514 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 30-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टो० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 30 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 246/एफ० डी० के०/78-79—  
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन संखेम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कोटकपुरा में स्थित है और इससे उपावन्द अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,  
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में  
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्वरक के  
दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत:—

- (1) श्री अर्जन सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र गुरमुख सिंह  
वासी कोटकपुरा (अन्तरक)
- (2) श्री जीवन सिंह पुत्र सरेन सिंह पुत्र हीरा सिंह  
वासी कोटकपुरा (अन्तरित)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आव्योप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के मध्याय 20क में परिभ्राषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोटकपुरा में 40 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं०  
2616 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फरीदकोट  
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,  
संकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज भटिडा,

तारीख : 30-5-78.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 जून 1978

निरेश सं० ए० पी० 247/एफ० 2 आर०/78-79—  
यतः मुझे श्रो० पी० मदान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर कैट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुचूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्ननिमित्त चरण से उक्त अन्तरण निमित्त में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाव की बदल, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए;

यतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अन्तर्गत निम्ननिमित्त अन्तित्यों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती चमेली देवी पत्नी राम दयाल फिरोजपुर कैट (अन्तरक)
- (2) कुमारी उमा सयाल पुत्री बुनी माल 71 ए, झोक रोड फिरोजपुर कैट (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता जहै कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

झोक रोड फिरोजपुर कैट पर एक बंगला नं० 71-बी, जैसा कि विलेख नं० 3179 अक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

श्रो० पी० मदान,  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 6-6-78.

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिडा  
भट्टिडा, दिनांक 6 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 248/एफ० 2 आर०/78-79—  
यतः मुझे शो० पी० मदान,  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर कैंट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या व्यवय या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावर्त्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्यपि उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अवधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती चम्बेली देवी उक्त रूप रानी पस्ती राम दयाल शोक रोड फिरोजपुर कैंट, (अन्तरक)  
(2) श्री जोगिन्द्र सिंह सोढ़ी पुत्र सोढ़ी बिक्रम सिंह वासी देवी द्वारका रोड फिरोजपुर शहर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ ही गया, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोक रोड फिरोज पुर कैंट पर एक बंगला नं० 71-बी जैसा कि विलेख नं० 3165 अक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

ग्रो० पी० मदान,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख : 6-6-1978.

मोहर :

प्रसूप प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा, कार्यालय

भट्टा, दिनांक 6 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 249/एफ० डी० के०/78-79—  
यतः मुझे ओ० पी० मदान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्डित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, लिपाने में मुविद्धा के लिए;

अत, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1), के अधीन निम्नलिखित अलिंगों, अर्थात्,—

(1) श्रीमती परसिन कीर विधवा फुमन सिंह द्वारा कर्नैल सिंह फुमन सिंह (सुनार) मेन बाजार मलोट मडी (अन्तरक)

(2) श्री नसीब सिंह पुत्र मल्ल सिंह, वासी गांव ढोला तहसील मुक्तसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यालयांकरण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्षियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य अविक्षित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आदर्श नगर मलोट में एक मकान जैसा कि विलेख नं० 1585 अक्टूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

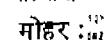
ओ० पी० मदान,

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टा,

तारीख : 6-6-1978.

मोहर : 

## प्रक्रम प्राईटी एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 6 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 250/बी० टी० आई०/78-79—  
यतः मुझे श्रो० पी० मदान  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भटिडा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
भटिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के प्रधीन तारीख नवम्बर 1977  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के  
प्रधिक्षय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
माया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्रबोत्—

(1) श्री प्यारे लाल पुत्र राजा राम द्वारा कृष्ण लाल  
प्यारे लाल शार्य सजाम चौक भटिडा।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र देव राज कुमार पुत्रान् अर्जन दास,  
देव राज पुत्र अर्जन दास, सोहन लाल पुत्र  
कुन्ज लाल द्वारा देव राज सोहन लाल दुकान  
नं० 55 नई श्रनाज मंडी भटिडा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तस्वीरब्दी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधायाय 20-व में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

नई दाना मंडी में दुकान नं० 91-वी जैसा कि विलेख  
नं० 4137 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
भटिडा में लिखा है।

श्रो० पी० मदान  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 6-6-1978.

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 जून 1978

निवेश सं० ए० पी० 251/बी० टी० आई०/78-79—यतः  
मुझे ओ० पी० मदान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
भट्टिडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भट्टिडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
जैसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

(1) श्री शाम लाल पुत्र सन्त राम बीड़ी सिगरेट  
वाले नजदीक बीकानेर बैंक भट्टिडा। (अन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नी मथुरा वास मकान  
नं० आर-779 प्रताप नगर भट्टिडा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्बबाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रताप नगर भट्टिडा में मकान नं० आर-779 जैसा कि  
विलेख नं० 4116 नवम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
भट्टिडा में लिखा है।

ओ० पी० मदान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख : 9-9-1978.

मोहरः

प्र० भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा कार्यालय

भट्टिडा दिनांक 9 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 252/एफ० डी० के०/78-79—  
यतः मुझे प्रो० पी० मदानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19)  
के अधीन तारीख दिसम्बर 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में  
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;बतः यदि उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में  
में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—(1) श्री चमन लाल पुल सन्त राम पुल दित्ता मल  
वासी मुक्तसर। (अन्तरक)(2) श्रीमती प्रसिनी देवी हंस राज पुल इन्द्र मल  
द्वारा बांसल जनरल स्टोर हाल बाजार मुक्तसर  
(अन्तरिती)(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
सेकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

हाल बाजार मुक्तसर में एक दुकान नं० 25 नजदीक  
पटकार खाना जैसा कि विलेख नं० 1722 विसम्बर 1977  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।ओ० पी० मदान  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 9-6-1978

मोद्दूर :

प्रकृष्ट प्राप्ति ३० डी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टिंडा कार्यालय

भट्टिंडा दिनांक 8 जून 1978

निवेश सं० ए० पी० 253/एफ० डी० के०/78-79—  
यतः मुझे ओ० पी० मदानआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
मंडी बरीवाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 19) के अधीन तारीख अक्टूबर 1977 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ज्ञान-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;वतः; प्रथ, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,  
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी वर्त्ति :—(1) श्रीमती जैवन्ती विधवा कोटू राम पुंछ आया  
राम वासी खेता राम गली मुक्तसर।  
(अन्तरक)(2) श्री कृष्ण कुमार पुत्र मिलखी राम गली में  
दरी वाला तहसील मुक्तसर।  
(अन्तरिती)(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके  
अधिभोग में सम्पत्ति है।)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अवधियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से  
किसी अवधि द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं,  
उही अर्थ होता, जो उस प्रधान में दिया गया है

अनुसूची

बरीवाला मंडी में दुकान नं० 414 जैसा कि खिलेख  
नं० 1371 अक्टूबर 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर  
में लिखा है।ओ० पी० मदान  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-6-1978

मोहर :

प्रथम ग्राही ० टी० एम० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज भट्टिला कार्यालय

भट्टिला दिनांक 14 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 259/एन० के० डी०/78-79-

यतः मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 19) के अधीन तारीख अक्तूबर 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के मनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपबायात्र (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अवैत्त:—

(1) श्री अजीत प्रसाद निर्मला भल्ला सुलक्षणा कोष्ठर निदेश भल्ला शशी गोपाल रमेश चन्द्र भल्ला निर्मला भल्ला माकान न० 184 सैक्टर 19-ए० घण्टीगढ़।

(अन्तरक)

(2) बृज भूषण चन्द्र भोहन पुन्नान सीतल दास पुन्न लाला बाल मुकसद जैन मोहल्ला नकोदर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस प्रायाय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान न० 1592 का 2/3 हिस्सा जो दाना भराड़ी नकोदर में स्थित है। जैसा कि विलेख न० 1757 अक्तूबर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

श्रो० पी० मदान  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भट्टिला

तारीख : 19-9-1978

मोहर :

प्रकृष्ट ग्राइंड टी० एन० एस०—

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा कार्यालय

भट्टडा तारीख 14 जून 1978

निदेश सं० ए० पी० 255/एन० के० डी०/78-79—  
यतः मुझे श्रो० पी० मदानभायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व  
के भवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए०  
से ग्रधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो  
नकोदर में स्थित है (और इससे उपायद्वय ग्रनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय  
नकोदर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का  
19) के अधीन तारीख नवम्बर 1977 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)  
और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरक के  
लिए तम पाया पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) ग्रन्तरक से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-  
नियम के भवीत कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या  
घनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थे ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः ग्रन्त उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व  
सरकार में, भी, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षतः:—

(1) श्री कंवर लाल पुत्र गुज्जर मल पुत्र शादी राम  
(भल्ला रवतरी) वासी नकोदर

(ग्रन्तरक)

8. श्री बूज भूषण चन्द्र मोहन पुक्कान सीतल धास  
पुत्र लाला बाल मुकन्द जैन मोहल्ला नकोदर  
(ग्रन्तरिती)(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्तन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीं व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें ग्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
ग्रधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भावित हैं, वही ग्रन्त होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

दाना मंडी नकोदर में दुकान नं० 1592 का 1/3  
हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1887 नवम्बर 1977 रस्ट्री-  
कर्ता ग्रधिकारी नकोदर में लिखा है।श्रो० पी० मदान  
सक्षम ग्रधिकारी  
सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भट्टडा

तारीख : 14-6-1978

मोहर:

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th June 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 31st March 1978, the Chairman Union Public Service Commission, hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Assistant Controller (D.P.) in the Commission's office for a further period of three months w.e.f. 1-6-1978, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri M. L. Dhawan
2. Shri J. L. Kapoor
3. Kumari Santosh Handa

P. N. MUKHERJEE  
Dy. Secy.  
for Chairman

New Delhi-110011, the 23rd May 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. D. J. Lalwani, Assistant Superintendent (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Data Processing) in the Commission's office for the period from 22-4-1978 to 19-5-1978, or until further orders, whichever is earlier.

The 5th June 1978

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer (D.P.) in the Commission's office for the further period indicated against each or until further orders, whichever is earlier :—

## S. No., Name and Period :

1. Shri B. R. Gupta—1-6-1978 to 31-8-1978.
2. Shri M. M. Sharma—1-6-1978 to 31-8-1978.
3. Smt. D. J. Lalwani—20-5-1978 to 31-5-1978.

P. N. MUKHERJEE  
Dy. Secy.,  
for Secy.,

New Delhi-11, the 25th May 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the CSS cadre of Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the CSS as Under Secretary on *ad hoc* basis for the period 13-4-78 to 8-7-78 or until further orders, whichever is earlier.

The 26th May 1978

No. A.19012/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Bhattacharjiya, IAS (Assam-Meghalaya joint cadre) to the post of Joint Secretary on pay as for Director (Rs. 2000-125/2-2250) in the office of the Union Public Service Commission, New Delhi with effect from 20-5-1978 (FN), until further orders.

The 29th May 1978

No. A.32013/1/78-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 1-3-78 to 31-5-78 or until further orders whichever is earlier.

The 30th May 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 24-4-78, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent

Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 13-5-78 to 31-5-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE

Dy. Secy.

(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

## ENFORCEMENT DIRECTORATE

## FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 1st June, 1978

No. A.11/9/78.—The following Assistants/Sr. Stenographers have been appointed to officiate as Enforcement Officers in this Directorate with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of postings and dates of assumption of charge are indicated against each :—

Sl. No.	Name	Place of Posting	Date of assumption of charge
1.	Shri R. C. Kalra	Jaipur	29-4-78
2.	Shri M. C. Mukherjee	Calcutta	12-5-78
3.	Shri A. K. Chakraborty	Calcutta	20-4-78
4.	Shri Jugal Kishore	Agra	29-4-78
5.	Shri Brij Singh	Jullundur	29-4-78
6.	Shri S. M. Lal	Bombay	1-5-78
7.	Shri T. K. Lakshmanan	Bombay	1-5-78

J. N. ARORA  
Deputy Director (Admn.)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th June 1978

No. A-19028/1/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri A. V. Rajaraman, Assistant Engineer, C.P.W.D. as Executive Engineer in the Central Bureau of Investigation (Special Police Establishment), New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 27-5-78 until further orders.

Shri G. S. Gopalakrishnan, Executive Engineer, C.B.I. (SPE) has relinquished charge of the Office of Executive Engineer, Central Bureau of Investigation, New Delhi on the forenoon of 27-5-1978. His services have been placed back at the disposal of C.P.W.D., New Delhi.

The 12th June 1978

No. T-2/69-Ad.V.—Shri T. R. Vardarajan, IPS (Maharashtra), D.I.G., C.B.I., relinquished the charge of Office of D.I.G., C.B.I., Head Office on the afternoon of 23-5-78. His services have been placed back at the disposal of State Govt.

K. K. PURI  
Deputy Director (Admn.)  
C.B.I.

## DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 12th June 1978

## CORRIGENDUM

No. O.II-1081/78-Estt.—In this Dte, General Notification No. O.II-1081/78-Estt. dated 24th February 1978, the name

of the officer may please be read as 'Dr. K. Vijaya Kumar' instead of 'Dr. Vijay Kumar Kodali'.

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

**CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-110024, the 5th June 1978

No. E38013(3)1/78-Pers.—On transfer to Hardwar Shri R. R. Bhardwaj relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit, BSL Bokaro with effect from the afternoon of 29th April 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from BHEL/CFFP Hardwar Shri R. P. Dube assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, Bokaro Steel Ltd., Bokaro with effect from the forenoon of 13-5-78.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Jharia, Shri A. C. Roy relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit Calcutta Port Trust, Calcutta, with effect from the afternoon of 10th May 1978.

No. E-16013(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri Banar Singh, IPS (Hardwar 1967), assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, HFC Durgapur with effect from the forenoon of 7th April 1978.

The 9th June 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from TIF Naini Shri S. P. Dwivedi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Group Hqrs., Patna with effect from the forenoon of 30-4-1978.

R. C. GOPAL  
Inspector-General/CISF

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

New Delhi, the 9th June 1978

No. 11/5/77 Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 18-4-1978, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri B. Satyanarayana, Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, at Hyderabad as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Director of Census Operations, Karnataka at Bangalore, with his headquarters continue to be at Bangalore upto 9 April, 1978 w.e.f. 1 April, 1978.

No. 11/5/77 Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 18-4-1978 the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office with his headquarters continue to be at Trivandrum on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 1-4-1978 to 30-6-1978, or until further orders whichever period is shorter.

P. PADMANABHA,  
Registrar General, India

**SARDAR VALLABHBHAI PATEL  
NATIONAL POLICE ACADEMY**  
Hyderabad-500252, the 8th June 1978

No. 41/8/76-Estt.—On relief from the A.P. Police, Reserve Inspector, Shri M. Daulat Khan of S.A.R. C.P.L., Ambedkar, assumed charge as Chief Drill Instructor (Dy. S.P.) in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad with effect from 2nd June, 1978 forenoon. He will draw Pay and Allowances in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 and a special pay of Rs. 100/- per month and other allowances as admissible under the Central Government Rules, w.e.f. 2-6-1978 and until further orders.

R. D. SINGH,  
Director.

**MINISTRY OF FINANCE  
DEPTT. OF ECON. AFFAIRS  
BANK NOTE PRESS, DEWAS (M.P.)**

Dewas, the 7th June 1978

No. BNP/C/5/78.—Shri H. R. Sharma, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer on ad-hoc basis in the Bank Note Press, Dewas from 20-5-78 (A.N.) to 31-7-78 (A.N.).

P. S. SHIVARAM  
General Manager

**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR**

**GENERAL OF INDIA  
(COMMERCIAL AUDIT WING)**

New Delhi, the 12th June 1978

No. 756-CA.1/54-71.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has permitted Shri M. D. Joshi, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of F.R. 56(K) with effect from 2-2-1978 (A.N.).

R. PARAMESWAR  
Asstt. Comptroller & Auditor General (Commercial)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR**

Ranchi-2, the 6th June 1978

No. Admn.-Auto-824.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jugal Kishore Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-1-1978 (F.N.).

No. Admn.-Auto-814.—The Accountant General has been pleased to promote Shri H. P. Roy, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 10-1-1978 (F.N.).

No. Admn.-Auto-804.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Samrendra Ghosh, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 11-1-1978 (F.N.).

The 9th June 1978

No. Admn.-Auto-883.—The Accountant General has been pleased to promote Shri A. K. Ganguly, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 12-1-78 (F.N.).

Sd/-, ILLEGIBLE  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)  
Bihar

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA**  
Trivandrum, the 5th June 1978

No. Estt.A.VII/9-86/Vol.II/68.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint the undermentioned Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officers with effect from the dates shown against each, until further orders :

1. Shri P. K. Rajah—1-6-78 forenoon.
2. Shri Antony Jose—1-6-78 forenoon.
3. Shri S. Janardhanan—1-6-78 forenoon.

S. JAYARAMAN  
Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE  
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 5th June 1978

No. 18386/AN-II.—The President regrets to announce the death of Shri V. S. Sampathkumaran, Assistant Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona on 15th April, 1978. His name is accordingly struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 16-4-1978 (F.N.).

The 12th June 1978

No. 18300/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri N. N. Thukral, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from 31-12-1978 (AN).

V. S. BHIR  
Addl. Controller General of Defence Accounts

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES  
Calcutta-700069, the 6th June 1978

No. 7/78/A/M.—Dr. G. M. Sanyal, Permanent Asstt. Medical Officer, Vehicle Factory, Jabalpur voluntarily retired from Govt. service w.e.f. 28-2-78 (AN).

BRIG. P. N. TRIKHA  
Director of Health Services  
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE DY. CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS AND EXPORTS  
Bhopal-462003, the 14th March 1978

Sub : Order for cancellation of Exchange Control copy of the Licence No. P/A/1434246 dated 30-12-1977 for Rs. 1206434/- issued in favour of M/s. General Foods Pvt. Ltd., 150, Jaora Compound, Indore (M.P.).

No. 12/Oils/77-78/Free/AU.—M/s. General Foods Pvt. Ltd., Jaora Compound, Indore, was granted the import licence No. P/A/1434246 dated 30-12-1977 for Rs. 1206434/- for import of items shown on the reverse of this order for the licensing period AM-78 from G.C.A. They have applied for duplicate copy of Exchange Control purpose copy of the above mentioned licence on the ground that the original Exchange Control purpose copy of the said licence has been lost or misplaced. It is further stated that the original licence was not registered with any Customs House and not utilised.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before Notary and Advocate, Indore. I am satisfied that the original Exchange Control purpose copy of the licence No. P/A/1434246 dated 30-12-1977 for Rs. 12,06,434/- has been lost or misplaced and direct that a duplicate Exchange Control purpose copy of licence No. P/A/1434246 dated 30-12-1977 should be issued to the applicant. The original Exchange Control purpose copy of licence No. P/A/1434246 dated 30-12-1977 for Rs. 12,06,434/- is cancelled.

Particulars of the licence are as follows:—

Licence-No and date.	Issued by	Items	Valid for	Lic. period.	Area	Value	Value utilised
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.

P/A/1434246 DY.C.C.I. & Crude G.C.A.1206434 Nil  
30-12-1977. E.,BHOPAL.Raw31.3.78.A.M—78

Palm  
Oil  
(S.No.15.07)

R. C. S. MENON  
Dy. Chief Controller of Imps. & Exps.

DEPARTMENT OF MINES  
INDIAN BUREAU OF MINES  
Nagpur, the 6th May 1978

No. A.19012/24/75-Estt.A.—Shri V. P. Malik, permanent Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines is promoted to officiate as Administrative Officer, Indian Bureau of Mines in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- in the leave vacancy of Shri H. R. S. Rao Administrative Officer for the period from 27th April, 1978 to 24th June, 1978; on ad-hoc basis.

S. BAL GOPAL  
Head of Office

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 2nd June 1978

No. A.31014/9/75-Fst.I.—The Chief Producer, Films Division, hereby appoints the undermentioned Officers of the Films Division to the posts of Newsreel Officer in substantive capacity with effect from the date shown against each:—

S. No., Name and Date :

1. Shri Prem Vaidya, at present officiating as Director (Cameraman)—11-7-1963.
2. Shri S. T. Bapat—1-2-1967.
3. Shri C. Ramani—23-9-1967.
4. Shri N. Bhaskara Iyer, already retired from the 1st March, 1978—1-8-1972.
5. Shri H. S. Advani—10-12-1975.
6. Shri C. L. Kaul—1-9-1977.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL  
PUBLICITY

New Delhi-1, the 13th June 1978

No. A.12026/5/78-Fst.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri R. K. Bhaindwal, Technical Assistant (Advertising) to officiate as Assistant Media Executive in this Directorate on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th May, 1978 vice Shri Pranvir Gupta, Assistant Media Executive, granted leave.

S. K. MUKHERJI  
Dy. Director  
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th June 1978

No. A.12025/16/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri A. V. Rao to the post of Associate Professor of Environmental Sanitation in the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta on a temporary basis, with effect from the forenoon of 23rd March, 1978, and until further orders.

No. A.31013/1/78(HQ) Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Dutta in a Substantive Capacity to the permanent post of Assistant Drugs Controller (India) in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services, New Delhi with effect from the 18th February, 1976.

The 9th June 1978

No. 12-13/72-Admn.I.—On attaining the age of Superannuation Shri P. N. Aggarwal, Section Officer, Directorate General of Health Services retired from Government service on the afternoon of 31st May, 1978.

No. A.12025/38/76(JIP) Admin I.—The President is pleased to appoint Shri G. D. Mogli in the post of Senior Medical Records Officer at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of the 8th May, 1978, in an officiating capacity and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th June 1978

No. A.19025/29/78-A.III.—The short terms appointment of Shri N. G. Shukla to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 12-6-1978 *vide* this Directorate's Notification of even number dated 18-2-78, has been extended upto 12-9-78 or until regular arrangements are made whichever is earlier.

V. P. CHAWLA  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION  
Bombay-85, the 6th June 1978

No. S/2515/FRD/Fstl.II/2200.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service

tendered by Shri Kamaldev Sadanand Saddi, officiating Scientific Officer/Engineer grade (SB), BARC with effect from the afternoon of 18-2-1978.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN  
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 2nd June 1978

No. DPS/23/9/77-Est./144803.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. K. Vyas, a temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Purchase Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 17-4-78 to 27-5-78 *vice* Shri K. Narayan Kutty, Assistant Purchase Officer, Kota Regional Purchase Unit granted leave.

No. DPS/23/9/77-Est./144809.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri R. A. Gupta, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 8-5-78 to 9-6-78 *vice* Shri R. V. Mathure, Assistant Stores Officer, HWP Stores, Kota granted leave.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

DEPARTMENT OF SPACE  
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SPACE APPLICATIONS CENTRE  
Ahmedabad-380053, the 5th June 1978

No. S.A.C./EST.1.1.57/78.—The Director, SAC is pleased to appoint the following officials of the Space Applications Centre, Ahmedabad of the Department of Space to the posts from the dates indicated against each in an officiating capacity until further orders :—

NSI. o	Name	Post held in a substantive capacity	Presently officiating as	Post to which appointed	Date
1. Shri B. B. Trivedi	.	Scientific/Assistant B	Scientific Assistant C	Scientist/Engineer SB	1-1-76
2. Shri P. K. Vyas	.	Draughtsman D	Draughtsman E	Scientist/Engineer SB	1-10-77
3. Shri S. I. Lohar	.	Scientific/Assistant B	Scientific Assistant C	Scientist SB	1-10-77
4. Shri B. R. Oza	.	—	Foreman	Scientist/Engineer SB	1-10-77
5. Shri A. C. Dave	.	—	Draughtsman E	Engineer SB	9-11-77

No. SAC/EST/CA/AES/15/78.—The Director is pleased to appoint Shri B. M. Raval as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from April 24, 1978 until further orders.

No. SAC/EST/CA/AES/50/78.—The Director is pleased to appoint Shri R. N. Keswani as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from April 18, 1978 until further orders.

S. G. NAIR  
Head, Personnel & Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 14th June 1978

No. A.32014/3/78-E.I.—The Director General of Observatories, New Delhi, hereby appoints the undermentioned Pro-

fessional Assistants as officiating Assistant Meteorologists on regular basis with effect from 18-4-1978 and until further order

2. They are already officiating as Assistant Meteorologists on short term basis.

S. No.	Name	Office to which posted
1. Shri S. N. Bhan	.	Meteorological Centre Srinagar under Regional Meteorological Centre New Delhi.
2. Shri K. S. V. Rajagopalan	.	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.
3. Shri V. Sundarosa Rao	.	Regional Meteorological Centre, Madras.
4. Shri H. R. Ganesan	.	Dy. Director General of Observatories (Climatology), Pune.

S. No.	Name	Office to which posted	1	2	3
5.	Shri R. N. Sen	Regional Meteorological Centre, New Delhi.	31.	Shri D. K. Raipal	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
6.	Shri U. K. Roy	Regional Meteorological Centre, New Delhi.	32.	Shri A. K. Mukherjee	Regional Meteorological Centre, Calcutta.
7.	Shri R. Choudhury	Director (Instruments), Pune.	33.	Shri Krishna Prasad	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.
8.	Dr. Anand Prakash	Regional Meteorological Centre, New Delhi.			
9.	Shri A. K. Bandopadhyaya	Regional Meteorological Centre, Calcutta.			
10.	Shri Onkari Prasad	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.			
11.	Shri P. E. Cherian	Meteorological Centre, Trivandrum, under Regional Meteorological Centre, Madras.			
12.	Shri V. M. Vardarajan	Regional Meteorological Centre, Madras.			
13.	Shri Chander Prakash	Regional Meteorological Centre, New Delhi.			
14.	Shri R. M. Saxena	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.			
15.	Shri P. C. Mukherjee	Regional Meteorological Centre, Calcutta.			
16.	Shri E. K. Raja	Regional Meteorological Centre, Madras.			
17.	Shri B. G. Lele	Regional Meteorological Centre, Bombay.			
18.	Shri A. N. Rao	Director (Instruments), Pune.			
19.	Shri J. U. Hingorani	Headquarters Office of Observatories, New Delhi.			
20.	Shri Harish Chander Mehra	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.			
21.	Shri G. S. Prakasa Rao	Regional Meteorological Centre, Bombay.			
22.	Shri R. V. Kelkar	Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Pune.			
23.	Shri Hari Mohan Kumar	Regional Meteorological Centre, New Delhi.			
24.	Shri Harnam Singh	Monex Directorate, New Delhi.			
25.	Shri M. L. Kala	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.			
26.	Shri N. B. Roy	Regional Meteorological Centre, New Delhi.			
27.	Shri K. C. Subbaiah	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.			
28.	Shri K. S. Venkatakrishnan	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.			
29.	Shri Vishambar Dayal	Headquarters Office of Director General of Observatories, New Delhi.			
30.	Shri A. N. Chopra	Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi.			

G. R. GUPTA  
*Meteorologist*

for Director General of Observatories

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 17th May 1978

No. 5/78.—Shri N. G. Patil, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Hdqrs. Office, Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-1978.

K. S. DILIPSINHJI  
Collector of Central Excise  
Baroda

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 8th June 1978

No. 11-TR(6)/77.—Shri Ramesh Chandra Yadav, Engineer Officer in the Director of Marine Engineering Training, Calcutta, relinquished charge of his post, consequent upon the acceptance of his resignation with effect from the afternoon of 1st March, 1978.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 7th June 1978

No. A-19012/471/74-Adm.V.—Consequent upon his attaining the age of superannuation, Shri S. L. Ahluwalia relinquished charge of the office of Special Officer (Documentation) in the Central Water and Power Research Station, Pune w.e.f. the afternoon of 30th April, 1978.

No. A-32014/1/77-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri N. Subba Rao, Supervisor who is presently officiating on *ad-hoc* basis as Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a regular basis in the same grade in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 24-8-1977.

2. Shri Subba Rao will be on probation in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the aforesaid date.

J. K. SAHA  
Under Secy.  
Central Water Commission

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY AND REHABILITATION

(DEPTT. OF REHABILITATION)

REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER

Jeypore-764003, the 7th June 1978

No. P.3/1/78-18077P.—In continuation of this office notification No. P.3/1-32657(P) dated 8-9-1977, the officiating appointment of Shri A. Gopala Rao, on *ad-hoc* basis in the

post of Assistant Engineer (Group 'B') in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation, posted in the Drilling Sub Division at Post and District Bolangir (Orissa) is extended for a further period of one month with effect from the forenoon of 1-3-1978 to 31-3-1978.

N. SATHYAMURTHY  
Operational Engineer

**CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY**

New Delhi-22, the 3rd June 1978

No. 6/6/78-Administration-II.—The Chairman Central Electricity Authority hereby appoints Shri V. K. Tandon, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from 3-4-77 (Forenoon) until further orders.

S. BISWAS  
Under Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS**

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 2nd June 1978

No. 78/RE/161/1.—It is notified for information of general public that in connection with introduction of 25 kV A.C. Electric traction, Height Gauges have been erected at all the level crossings in the section Chirala (Exclusive) to Vijayawada (Inclusive) of South Central Railway with a clear height of 15'-4" (4.67 m) above road level with a view to prevent loads of excessive height from coming into contact with or in dangerous proximity to live traction wires. Public are hereby notified to observe the height specified above for the purpose of loading vehicles and to see that the loads carried in road vehicles do not infringe the Height Gauges under any circumstances.

The dangers of a load of excessive height are as follows:—

- (i) Danger to the height gauge and consequent obstruction to the road as well as the railway line;
- (ii) Danger to the materials or equipment carried on the vehicle itself;
- (iii) Danger of fire and risk of life due to the contact with or dangerous proximity to the live conductors.

P. N. MOHILE  
Secy., Railway Board

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS**  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture  
Company Private Limited*

Gwalior, the 3rd June 1978

No. 1142/18/560/2935.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Madhya Bharat Agriculture And Horticulture Company Private Limited, unless cause is shown to

the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
East Lands Private Limited*  
Madras-6, the 6th June 1978

No. 10N/670/560(3)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 ( ) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of East Lands Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Madras Match Marketing Corporation Private Limited  
(In Liquidation)*

Madras-600006, the 7th June 1978

No. 3577/Liq./560/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Madras Match Marketing Corporation Private Limited (in liquidation) has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

Y. SATYANARAYANA  
Asstt. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Hind Farms and Dairies Limited (In Liquidation)*

Kanpur, the 8th June 1978

No. 5792/1590-I.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hind Farms and Dairies Limited (In Liquidation) unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. L. SAH  
Registrar of Companies,  
U.P., Kanpur

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Goa Minerals Private Limited*

Panaji, the 7th June 1978

No. 87/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Goa Minerals Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. R. GHAROTE  
Registrar of Companies,  
Goa, Daman & Diu,  
Panaji

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Kishan Lal S/o. Ch. Mukhraj.  
(Transferor)
- (2) Madan Mohan Bhasin S/o. H. K. Bhasin.  
(Transferee)

## (3) Vendor

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th June 1978

Ref. No. M-101/ACQ.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. WB-7/238 situated at Bazaria Sandal Khan, Englishganj Road, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bareilly on 29-10-77,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of House No. WB-7/238-B, situated at Bazaria Sandal Khan, Englishganj Road, Bareilly of area 512.78 sqm. and all that description of the property which is mentioned in Form 37G and Sale-Deed duly registered at the Office of the Sub Registrar, Bareilly on 29-10-77.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Shantaben Umedchandbhai;  
Power of Attorney Holder Shri Umedbhai Durlabhji-  
bhai; 20-B, Linon Street, Calcutta-16.  
(Transferor)

(2) (1) Shri Maganlal Naranji Ranpara,  
(2) Smt. Heeragauri Maganlal Ranpara;  
Shri Hari Kripa, Main Ashapura Road, Rajkot.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 16th June 1978

No. Acq. 23-I-1501(671)/16-6/77-78.—Whereas, I. S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ashapura Road, situated at South of Karsansinhji Middle School Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-10-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storied residential building knowns as "Shri Hari Kripa" situated on main Ashapura Road, Rajkot and as fully described in sale deed No. 2610/78 dated 17-10-77 registered by Sub-Registrar Rajkot.

S. C. PARIKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16th June 1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. United Builders, 9-1-41 at Tabacco Bazar, Secunderabad. Represented by Managing partners, S/Sri Sundermal, 2. Prahlad Rai, and Umraomal.

(Transferor)

(2) Sri Ramchand, H. No. 18-215/20 at Pendeghast Road, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. NO. 69/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 5 is situated at M. G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Mulgi No. 5 in Building No. 1-7-26 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1711/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1978  
Seal :

## FORM II NS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Re. No. RAC. No. 70/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 11 is situated at 1-7-27 to 34 M. G. Road, Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October 77,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) M/s. United Builders, 9-1-41 at Tabacco Bazar, Secunderabad. Represented by Managing partners, S/Sri Sundermal, 2. Prahlad Rai, 3. Umraomal

(Transferor)

(2) Sri A. Ariff Baig, H. No. 17-69 at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 11 in the Building premises No. 1-7-27 to 34 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1745/77 with Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s United Builders at M.G. Road, Secunderabad  
Managing partners, S/Sri Sundermal, 2, Prahlad  
Rai, 3, Umraomal.

(Transferor)

(2) Miss Usha (Minor) per guardian Sri Bahadurmal  
H. No. 21-7-740 at Chellepura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. No. 71/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 7 in situated at 1-7-27 to 34 M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October 77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—136GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 7 in the premises No. 1-7-27 to 34 situated at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1812/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. United Builders, at M.G. Road, Secunderabad, Managing Partners, S/Sri Sundermal, 2. Prahlad Rao, 3. Umaraommal.

(Transferor)

(2) Miss Anita Bai, D/o. Amernath, H. No. 21-7-741 at Chellepura, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC No. 72/78-79.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immoveable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. Shop No. 25 situated at 1-7-27 to 34 M.G. Road,  
Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Officer  
at Secunderabad in October 77,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 25 in premises No. 1-7-27 to 34 situated at  
Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc.  
No. 1744/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 16-6-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. No. 73/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mulgi, No. 3 in situated at 17-7-26 to 34 M.G. Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October 77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) M/s. United Builders, 9-1-41 at Tabacco office at Bazar, Secunderabad.  
 Managing partners, S/Sri Sundermal, Prahlad Rai, and Umraomal.

(Transferees)

(2) M/s. Sundermal Bhartkumar & Co., H. No. 2-1-41 at Tabacco Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Mulgi No. 3 in building No. 1-7-26 to 34 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1736/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. No. 74/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing  
Shop No. 10 situated at 1-7-26 to 34 M.G. Road,  
Secunderabad,  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer  
at Secunderabad in October 77,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-  
sons, namely:—

(1) M/s. United Builders, H. No. 9-1-41 at Tabacco  
Bazar, Secunderabad.  
Managing partners, S/Sri Sundermal, Prahlad Rai,  
and Umraomal.

(Transferor)

(2) Sri A. Ariff Baig, H. No. 1-7-69 at S.D. Road,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 10 in the Building No. 1-7-27 to 34 situated at  
M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1734/77  
with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) (1) S/Sri V. Lingamurthy,  
 (2) Shri V. Pradeep Kumar,  
 (3) Shri V. Madan Kumar,  
 (4) Shri V. Sivakumar,  
 (5) Shri V. Pratapkumar,  
 No. 2 to 5 being minors their father and  
 guardian Shri V. Lingamurthy, Vendor No. 1,  
 residing at H. No. 8-1-309 Shivajinagar, Secun-  
 derabad.  
 (6) Smt. A. Lingamma W/o. Ameti Rajiah, Malak-  
 pet, Hyderabad.  
 (7) Smt. C. Sivalaxmi W/o. C. Ramachander,  
 R/o. Kalasiguda, Secunderabad.  
 (Transferor)
- (2) Sri N. K. Ramlal S/o Girdharilal, H. No. 3-732 at  
 Jummarat Bazar, Nizamabad.  
 (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. No. 75/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. 10-2-198, 199 situated at Maredpally Secunderabad,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Secunderabad in October 77,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefore by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the publi-  
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Double storied House No. 256/C/1, M.C. H. No. 10-2-198  
 and 199 at Maredpally, Secunderabad, registered vide Doc.  
 No. 1797/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. United Builders at M.G. Road, Secunderabad. Represented by its Managing partners, S/Sri. 1. Sundermal, 2. Prahlad Rai, 3. Umraomal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1978

Ref. No. RAC. No. 78/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Shop No. 2 situated at 1-7-26 to 34 Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad in October 77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Kumari Uma (Minor) through guardian Sri Bal-mukund Gupta, H. No. 21-6-739 at Chelapura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 2 in the Building No. 1-7-26 to 34 at M.G. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1813/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mangat Ram Kapoor S/o. Shri Dina, Nath Kapoor R/o. 13/5 Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangal Sen Bhalla S/o. Late Shri Sohan Lal Bhalla R/o. D-67 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 15th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1309/78-79/1098.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-67 situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 6/10/1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storied house constructed on a free-hold plot of land measuring 200 sq. yds. bearing No. 67 in Block D situated at Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Property No. D-66.

South : Property No. D-68.

East : Lane.

West : Park.

N. S. CHOPRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Date : 15/6/1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A, ASAFA LI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 14th June 1978

Ref. No. IAC/ACQ.II/1308/78-79/1908.—Whereas, I, N. S. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-2/4 situated at Krishan Nagar, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 18/10/1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) (1) Shri Sarwan Singh S/o. Shri Gurdial Singh,  
(2) Smt. Swaran Kaur W/o. Shri Sarwan Singh,  
R/o. A-1 Shanker Nagar, Near Krishan Nagar,  
Delhi-51.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Kumari W/o. Shri Balram,  
R/o. A-100/3 East Azad Nagar, Shahdara, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. D-2/4 (Plot No. 4 in Block D-2) constructed on land measuring 166.2/3 sq. yds. situated at Krishan Nagar, Delhi and bounded as under:—

North : Service Lane.  
West : House on Plot No. D-2/3.  
South : Road.  
East : House on Plot No. D-2/5.

N. S. CHOPRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Date : 14/6/1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri S. Pritam Singh S/o. S. Jiwan Singh,  
R/o. Q-25, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwari Loond W/o. Shri Vasdev Loond,  
R/o A-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th June 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/SR.III/Oct/755/78-79.—Whereas, I, A. L. SUD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-1A situated at New Delhi South Extension Part-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in the month of October 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 866 sq. yds. bearing No. D1A together with 2½ storeyed building constructed thereon in the residential colony known as New Delhi South Extension Part-II, situated at Kotla Mubarakpur within the Limit of Delhi Municipal Corporation and bounded as under :—

East : Road.  
West : House No. D1.  
North : Ring Road 150 ft. wide.  
South : Service Lane.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. L. SUD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—136GI/78

Date : 16/6/1978

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Veer Singh s/o Shri Gian Singh s/o Shri Joga Singh, village Sangowal, Teh. Shahkot, District Kapurthala.

(Transferor)

(2) Lohmata Baba Bhai Adli Chola Sahib, Tarn Taran (Amritsar).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP-209/SHK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Village Sangowal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on November, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals in village Sangowal as mentioned in sale deed No. 1378 of Nov., 1977 registered with the S.R. Shahkot.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 210/SHK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at village Kakria Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on November, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh s/o. Shri Basant Singh s/o. Sh. Mala Singh, village Kakria Kalan, Teh. Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Mehar Singh s/o. Shri Labh Singh, village Kotla Surij Mal, Teh. Nakodar. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 Kanals and 16 marlas in village Kakria Kalan as mentioned in sale deed No. 1373 of November 1977 registered with the S.R. Shahkot.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 211/SHK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at village Poonian,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Shahkot on Nov., 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1977 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jaswant Singh s/o. Shri Jaimal Singh, village Bhengi, Teh. Nabha, District Patiala through Shri Bahadur Singh s/o. Shri Banta Singh, Mukhtiaran of village Lasuri, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Smt. Krishana Devi w/o. Shri Mohan Lal s/o Shri Harbans Lal of village Talwandi Butian, Tehsil, Nakodar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 78 Kanals and 10 marlas in village Poonian as mentioned in sale deed No. 1308 of Nov., 1977 registered with the S.R. Shahkot.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP. 212/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at village Jagatpur Jattan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Amrik Singh, Ajit Singh, Baldev Singh and Joginder Singh (sons) and Smt. Baldev Kaur, Ajit Kaur, Harjinder Kaur, Mohinder Kaur ds/o Smt. Bhagwati widow of Shri Gurbax Singh, village Roorke, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Maninderjit Singh s/o. Shri Sadhu Singh, R/o. village Suner Khurd, Teh. Phagwara, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 17 Kanals and 11 marlas in village Jagatpur Jattan as mentioned in sale deed No. 1316 of Nov., 1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 213/PHL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at village Shamsi Bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Phillaur on Nov., 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Shri Teja Singh s/o Shri Kehar Singh s/o Shri Hira Singh, R/o. village Shamsa Bad, Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) S/Shri Mohinder Singh, Surinder Singh s/o Sh. Khazan Singh, s/o Shri Ram Singh, village Shamsa Bad, Teh. Phillaur. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 Kanals and 3 marlas in village Shamsabad as mentioned in sale deed No. 3247 of Nov., 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 214/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sodhi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Shri Jeeva Singh, Shri Darshan Singh s/o. Shri Ujjagar Singh,  
(2) Shri Ujjagar Singh s/o. Shri Sunder Singh s/o. Shri Fateh Singh, Sodhi Nagar, Teh. Ferozpur.  
(transferor)
- 2 Shri Surjit Singh s/o. Thakur Singh s/o Shri Kundan Singh, R/o. village Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.  
(Transferees)
3. As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- 4 Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 65 Kanals and 6-1/5 marlas in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3507 of Nov., 1977 registered with S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 215/SPL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at village Saboo Wal, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Shri Uttam Chand s/o. Shri Lila Ram, Gandhi Colony, House No. M/2 Rajpura Township No. 2. (Transferor)

2. Shri Bakshish, Singh, Shri Partap Singh ss/o Shri Shingara Singh, village Todar Wal, Teh. Sultanpur Lodhi. (Transferees)

3. As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 75 Kanals in village Todar Wal as mentioned in sale deed No. 1213 of Nov. 1977 registered with the Sub-Registrar, Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## ORM ITNS

1. Shri Dial Chand s/o. Shri Lila Ram s/o. Shri Kesu Ram, House No. M/7, Gandhi Colony, Rajpura Township-2.

(Transferor)

2. Shri Bakshish Singh, Shri Partap Singh ss/o. Shri Shingala Singh, village Todar Wal, and Shri Karnail Singh, Jaswant Singh ss/o. Shri Jodh Singh, village Todar Wal, Teh. Sultanpur Lodhi

(Transferees)

3. As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 216/SPL/78-79.—Whereas, I. P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at village Saboo Wal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on Nov. 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 10 marlas in village Saboo Wal as mentioned in sale deed No. 1214 of Nov., 1977 registered with the Sub-Registrar Sultanpur Lodhi

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—136GI/78

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS ——

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 217/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sodhi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozpur on Nov., 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Amar Nath S/o Shri Chet Ram, village Sodhi Nagar, Teh. Ferozpur..  
(Transferor)

2. Sobha Singh s/o. Shri Kehar Singh and S/Sh. Gurbachan Singh, Gurcharan Singh and Resham Singh ss/o. Shri Sobha Singh, village Rukna Mangla (FZR).

3. As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

4. Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3836 of Nov., 1977 registered with the S.R. Ferozpur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Chander s/o. Shri Maghi Mal s/o. Sh. Maia Mal, R/o. Ludhiana.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. 218/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at village Chhian Pari, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(2) Shri Gurnam Singh, Shri Daishan Singh s/o. Shri Udhamp Singh, village Chhian Pari, Tch. Zira.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## 'THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 125 Kanals and 17 marlas in village Chhian Pari as mentioned in sale deed No. 4433 of Nov., 1977 registered with the S.R. Zira.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 219/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at village Rupana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on Nov., 1977.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Chand Kaur d/o. Shri Gurdit Singh s/o. Shri Khazan Singh, R/o. village Rupana, Teh. Muktsar. (Transferor)

(2) Shri Gurbinder Singh Urf Sardul Singh s/o. Jang Singh s/o. Shri Lal Singh, R/o. village Rupana, Teh. Muktsar. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 Kanals and 16 marlas in village Rupana as mentioned in sale deed No. 1579 of Nov.,

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Seal

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda. the 30th May 1978

Ref. No. 220/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number.

No. As per schedule situated at Sodhi Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhan Singh, Shri Mohinder Singh s/o. Shri Ujjagar Singh s/o. Shri Sunder Singh, village Sodhi Nagar (Ferozepur).

(Transferor)

(2) Smt. Sukhchain Kaur w/o. Shri Thakur Singh s/o. Shri Kundan Singh, R/o. Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 43 Kanals and 10 marlas in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3667 of Nov., 1977 registered with the S.R. Ferozepur.

P. N. MALIK.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Singh s/o. Shri Ajmer Singh s/o. Sh. Surjan Singh, village Possi, Teh. Garh Shanker. (Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o. Shri Lachhman Singh s/o. Shri Kanhaya Singh, village Kaharpur, Teh. Garh Shanker. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 221/GSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at village Possi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Garh Shanker on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals and 8 marlas in village Possi as mentioned in sale deed No. 2396 of Nov., 1977 registered with the S.R. Garh Shanker.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No AP 222/NWS/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at village Jandiala, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawan Shehar on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal s/o Shri Sahib Dass, village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferor)

(2) Shri Batna Ram s/o Shri Moti Ram, village Jandiala, Teh. Nawan Shehar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals in village Jandiala as mentioned in sale deed No. 3332 of Nov., 1977 registered with the S.R. Nawan Shehar.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. AP 223/SPL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. As per schedule situated at village Saboo Wal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on Nov., 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pyar Kaur (widow) and Shri Ajit Singh, Shri Jaginder Singh, Shri Pritam Singh, Shri Harbans Singh (sons) and Smt. Shivinder Kaur daughter of Shri Basakha Singh, village Saboo Wal, Teh. Sultanpur Lodhi.

(Transferor)

(2) Shri Tara Singh, Shri Gujjar Singh, Shri Ujjagai Singh and Shri Nazar Singh ss/o, Shri Bhagat Singh village Hussain Pur Dolo Wal, Teh Sultanpur Lodhi

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 Kanals and 17 marlas in village Saboo Wal as mentioned in sale deed No. 1125 of Nov., 1977 registered with the S.R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 224/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—136GI/78

(1) Sh. Thakar Singh s/o Sh. Kundan Singh s/o Sh. Dhara Singh, Shmt. Tej Kaur widow, Shmt. Kartar Kaur, Shmt. Chindo & Shmt. Daljit Kaur d/o Sh. Kundan Singh s/o Sh. Dhanna Singh, R/o Sodhi Nagar (Ferozepur).

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh, Sh. Balwinder Singh and Sh. Karnail Singh ss/o Sh. Bachittar Singh s/o Sh. Kartar Singh, R/o village Sodhi Nagar (Ferozepur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 87 Kanals and 9 marlas in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3655 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No A.P. 225/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sodhi Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Thakur Singh s/o Sh. Kundan Singh s/o Sh. Dhanna Singh Shmt. Tej Kaur, Widow, Shmt. Kartar Kaur, Shmt. Chando & Shmt. Daljit Kaur d/o Sh. Kundan Singh s/o Sh. Dhara Singh, Mukhtiar-ram Sh. Thakur Singh R/o Sodhi Nagar (FZR). (Transferor)

(2) S/Sh. Sukhdev Singh, Balwinder Singh, Karnail Singh ss/o Sh. Bachittar Singh s/o Sh. Kartar Singh, Vill. Sodhi Nagar, Sh. Bandar Singh, Anrik Singh ss/o Sh. Karnail Singh s/o Sh. Jhada Singh, Vill. Bhamra Lande. (Transferee)

(3) As per S No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 87 Kanals and 9 mallas in village Sodhi Wala as mentioned in sale deed No. 3506 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 226/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sodhi Malwinder Singh s/o Sodhi Avtar Singh s/o Sodhi Sadhu Singh, R/o Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.  
(Transferor)

(2) S/Sh. Gian Singh, Harbans Singh ss/o Sh. Surjan Singh s/o Sh. Jhandu Singh, village Lohgarh, Teh. Ferozepur.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3556 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 227/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jawala Dass s/o Sh. Dewan Chand s/o Sh. Shiv Dayal, Sodhi Nagar through Sodhi Malwinder Singh s/o Sh. Avtar Singh Sodhi, R/o Sodhi Nagar, Tch. Ferozepur.

(Transferor)

(2) Sh. Gian Singh, Sh. Harbans Singh s/o Sh. Surjan Singh s/o Sh. Jhanda Singh, R/o Lohgarh, Tch. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3555 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS —

(1) S/Sh. Amrik Singh, Ajit Singh, Baldev Singh, Joginder Singh (sons) and Shmt. Baldev Kaur, Ajit Kaur, Harjinder Kaur & Mohinder Kaur (daughters) of Shmt. Bhagwanti widow of Sh. Gurbax Singh, village Rurke, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sukhnannd Singh s/o Sh. Sadhu Singh, village Suner Khurd, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 228/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Vill. Jagatpura Jatan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 Kanals and 11 marlas in village Jagatpura Jatan as mentioned in sale deed No. 1314 of Nov., 1977 registered with the S. R. Phagwara.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 229/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Bag ke Pipal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ferozepur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shmt. Bmla Devi w/o Sh. Radhey Sham, Abadi Mandi, Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Mohan Singh, Pyara Singh, Shingara Singh, Sarwan Singh s/o Sh. Shunker Singh, village Bag Ke Pipal, Teh. Ferozepur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 60 kanals and 2 marlas in village Bag Ke Pipal as mentioned in sale deed No. 3525 of Nov. 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Lal Singh s/o Sh. Rur Singh s/o Sh. Kharak Singh, village Bhai Rupa, Teh. Rampura Phool. (Transferor)
- (2) S/Sh. Karnail Singh, Darshan Singh, Dara Singh s/o Sh. Kaur Singh s/o Sh. Hardial Singh, village Bhai Rupa, Teh. Rampura Phool. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 230/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Vill. Bhai Rupa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phool on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanals and 8 marlas in village Bhai Rupa as mentioned in sale deed No. 2592 of Nov., 1977 registered with the S. R. Rampura Phool.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ranbe I,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 231/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Baggewala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Kishan Singh s/o Sh. Wadhwa Singh s/o Sh. Daya Singh, village Baggewala, Teh. Ferozepur.  
(Transferor)
- (2) S/Sh. Sawarn Singh, Puran Singh, Jassa Singh ss/o Sh. Jagtar Singh s/o Sh. Amar Singh, village Satialwala, Teh. Ferozepur.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 24 Kanals in village Baggewala as mentioned in sale deed No. 3454 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 232/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Khai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—136GL/78

- (1) Sh. Khuti Ram s/o Sh. Amir Chand s/o Sh. Maghi Ram, village Khai, Teh. Ferozepur. (Transferor)
- (2) Sh. Naunihal Singh, Sh. Gurmail Singh s/o Sh. Mohoda Singh s/o Sh. Surain Singh, village Khai (Ferozepur). (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 44 Kanals in village Khai as mentioned in sale deed No. 3445 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 30-5-1978

Scal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Balwant Singh s/o Sh. Inder Singh s/o Sh. Mohan Singh, Kot Kapura.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 233/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shmt. Vidya Wanti widow of Dewan Charanji Lal s/o Shri Dewan Jiwa Ram, R/o Nabha.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 500 sq. yards on Kot-kapura-Faridkot Road as mentioned in sale deed No. 2533 of Nov., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS —

- (1) Sh. Jagdish Chander s/o Sh. Maghi Mal s/o Sh. Maia Mal, R/o Ludhiana.  
(Transferor)
- (2) Sh. Lakhmir Singh s/o Sh. Roza Singh s/o Sh. Dall Singh, R/o village Chhian Pari, Teh. Zira.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 234/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Chhian Pari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Zira on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 59 Kanals and 17 marlas in village Chhian Pari as mentioned in sale deed No. 4435 of Nov., 1977 registered with the S. R. Zira.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sohan Lal s/o Sh. Sant Ram, R/o Bassi Gulam Hussain, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Tirath Ram s/o Sh. Bhag Ram and Smt. Kamlesh w/o Sh. Tirath Ram, R/o village Paldi, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 235/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Gulam Hussain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 66 Kanals and 9 marlas in village Basai Gulam Hussain as mentioned in sale deed No. 2976 of Nov., 1977 registered with the S. R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITN3

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(1) S/Sh. Amrik Singh, Ajit Singh, Baldev Singh, Joginder Singh, Baldev Kaur, Ajit Kaur, Harjinder Kaur and Mohinder Kaur ds/o Smt. Bhagwanti Widow of Sh. Gurbax Singh, R/o village Roorko, Distt. Kapurthala, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Pavittar Singh s/o Sh. Sadhu Singh, R/o village Suner Khurd, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 236/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jagatpur Jattan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 Kanals and 11 marlas in village Jagatpur Jattan as mentioned in sale deed No. 1315 of Nov., 1977 registered with the S. R. Phagwara.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Jagir Singh s/o Sh. Chattar Singh s/o Sh. Hira Singh, village Bajawala, (FZR).  
(Transferor)

(2) Sh. Khushal Singh s/o Sh. Surain Singh s/o Sh. Maya Singh, R/o village Sodhi Nagar (FZR).  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. A.P. 237/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Bajawala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Agricultural land measuring 41 Kanals and 15 marlas in village Bajawala as mentioned in sale deed No. 3532 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS ——

- (1) Sh. Balwant Singh s/o Sh. Amar Singh, village Mewa Singh Wala, Teh. Shahkot.  
(Transferor)
- (2) Sh. Uttam Singh s/o Sh. Harnam Singh, village Mewa Singh Wala, Teh. Shahkot.  
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 238/SHK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Mewa Singh Wala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 15 marlas in village Mewa Singh Wala as mentioned in sale deed No. 1196 of Nov., 1977 registered with the S. R. Shahkot,

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 239/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at Talwandi Bhai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surjit Singh s/o Sh. Jugraj Singh s/o Shri Rajinder Singh, R/o village Wara Jawahar Singh Wala.

(Transfector)

(2) Shri Chand Singh s/o Sh. Narain Singh s/o Shri Uttam Singh, R/o Talwandi Bhai (Ferozepur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 22 Kanals and 4 marlas in village Talwandi Bhai as mentioned in sale deed No. 3503 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Sucha Singh and Shmt. Gurdev Kaur (daughter),  
Shmt. Amar Kaur widow of Sh. Pyara Singh,  
village Saboo Wal, Teh. Sultanpur Lodhi,  
(Transferor)

(2) Shri Sohan Singh s/o Sh. Gujjai Singh s/o Sh.  
Keshar Singh, village Thatta, Teh. Sultanpur Lodhi.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 240/KPR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Saboo Wal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 68 Kanals and 3 marlas in village Saboo Wal as mentioned in sale deed No. 1130 of Nov., 1977 registered with the S. R. Sultanpur Lodhi.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—136GI/78

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 241/FZR/78-79.—Whereas, J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tirlok Chand s/o Sh. Chet Ram s/o Shri Maya Ram, village Sodhi Nagar, (Ferozepur).  
(Transferor)

(1) Sh. Sobha Singh s/o Sh. Kehar Singh s/o Sh. Kahan Singh and Sh. Gurbachan Singh, Sh. Gurcharan Singh and Shri Resham Singh s/o Sh. Sobha Singh s/o Sh. Kehar Singh, R/o village Sodhi Nagar (Ferozepur).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3837 of Nov., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 242/PHL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill Rajo Waal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property ~~as aforesaid exceeds~~ the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Chanan Kaur Widow, Sh. Ram Singh s/o Sh. Harnam Singh, R/o village Farwala, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) S/Sh. Pritam Singh, Pyara Singh ss/o Sh. Balwant Singh s/o Shri Uttam Singh (2) Sh. Jodh Singh s/o Sh. Jeeta Singh s/o Shri Uttam Singh, village Rajo Wall, Teh. Phillaur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 57 Kanals and 16 marlas in village Rajo Waal as mentioned in sale deed No. 3092 of Nov 1977 registered with the S. R. Phillaur.

P. N. MALIK  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Devi Dayal s/o Sh. Chet Ram s/o Sh. Maya Ram, R/o Sodhi Nagar, Teh. Ferozepur.  
(Transferor)

(2) Shri Sobha Singh s/o Sh. Kehar Singh s/o Sh. Kehna Singh, village Rukna Mangla, Teh. Ferozepur.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 243/FZR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Sodhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in village Sodhi Nagar as mentioned in sale deed No. 3766 of Nov. 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

P. N. MALIK  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date : 30-5-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Mathura Dass s/o Sh. Sant Ram s/o Sh. Surti Mal, Jaitu.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Sh. Kedar Nath, Sohpat Rai ss/o Sh. Chanan Singh, House No. BX/157, Dr. Kishore Chand Street, Jaitu.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 244/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house in Dr. Kishore Chand Gali in Jaitu as mentioned in sale deed No. 980 of Nov., 1977 registered with the S. R. Jaitu.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

P. N. MALIK

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Chander Sain s/o Sh. Bhola Ram s/o Sh. Siri Ram, R/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Dr. Kashmir Chand Bansal s/o Sh. Behari Lal s/o Sh. Ronaq Ram R/o Kot Kapura.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 245/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Nov. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weather-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house behind Railway Bazar in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2514 of Nov. 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Arjan Singh s/o Sh. Nand Singh s/o Sh. Gur-mukh Singh, R/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Sh. Jiwan Singh s/o Sh. Sarain Singh s/o Sh. Hira Singh, R/o Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 30th May 1978

Ref. No. A.P. 246/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2616 of Nov., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 30-5-1978  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shmt. Chambeli Devi w/o Sh. Ram Dayal, Ferozepur Cantt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 247/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Oct., 1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the

(2) Miss Uma Syal d/o Sh. Chuni Lal, 71-A, Jhoke Road, Ferozepur Cantt

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A bungalow No. 71-B on Jhoke Road in Ferozepur Cantt. as mentioned in sale deed No. 3179 of Oct., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-6-1978  
Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 248/FZR/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Ferozepur Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Chambeli Devi alias Roop Rani w/o Shri Ram Dayal, Jhoke Road, Ferozepur Cantt.  
(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh Sodi s/o Sodi Bikaram Singh, R/o Devi Dawarka Road, Ferozepur City.  
(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 71-B (Quarter No. 2) on Jhoke Road, Ferozepur Cantt, as mentioned in sale deed No. 3165 of Oct., 1977 registered with the S. R. Ferozepur.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 249/FDK/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malout on Oct., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Parsin Kaur wd/o Sh. Phuman Singh c/o M/s Karnail Singh Phuman Singh, Gold-smith, Main Bazar, Malout Mandi.  
(Transferor)

(2) Sh. Nasib Singh s/o Sh. Mall Singh, R/o village Dhola, Teh. Muktsar (Faridkot).  
(Transferee)

\*(3) As per S No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property in Mohalla Adarsh Nagar, Malout as mentioned in sale deed No. 1585 of Oct., 1977 registered with the S. R. Malout.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Piare Lal s/o Sh. Raja Ram c/o M/s Krishan Lal Piare Lal, Arya Samaj Chowk, Bhatinda, (Transferor)

(2) S/Sh. Inder Dev, Raj Kumar s/o Arjan Das, Dev Raj s/o Arjan Dass, Sohan Lal s/o Kunj Lal c/o M/s Dev Raj Sohan Lal, Shop No. 55, New Grain Market, Bhatinda. (Transferee)

\*(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 250/BHI/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop bearing No. 91-B in New Grain Market, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 4137 of Nov., registered with the S. R. Bhatinda.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-6-1978

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 251/BTI/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Sham Lal s/o Sh. Sant Ram, Bidi/Cigarette vendor, Near Bikaner Bank, Bhatinda, (Transferor)
- (2) Mrs. Shanti Devi w/o Sh. Mathura Dass, House No. R-779, Partap Nagar, Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A house bearing No. R-779 in Partap Nagar, Bhatinda as mentioned in sale deed No. 4116 of Nov., 1977 registered with the S. R. Bhatinda.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Chaman Lal s/o Sh. Sant Ram s/o Sh. Ditta Mal, R/o Muktsar.  
(Transferor)

(2) Shmt. Parsni Devi w/o Sh. Hans Raj s/o Sh. Inder Mal c/o M/s Bansal General Store, Hall Bazar, Muktsar.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 6th June 1978

Ref. No. A.P. 252/FDK/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop bearing No. 25 in Hall Bazar, Muktsar near Patwar Khanna as mentioned in sale deed No. 1722 of Dec., 1977 registered with the S. R. Muktsar.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 8th June 1978

Ref. No. A.P. 253/FIDK/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Mandi Bariwala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shmt. Jaiwanti wd/o Sh. Kotu Ram s/o Sh. Aya Ram, R/o Kheta Ram Street, Muktsar.  
(Transferor)

(2) Sh. Kishan Kumar s/o Sh. Milkhi Ram, R/o Mandi Bariwala, Teh. Muktsar.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A shop bearing No. 414 in Mandi Bariwala as mentioned in sale deed No. 1371 of Oct., 1977 registered with the S. R. Muktsar.

O. P. MADAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 8-6-1978  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th June 1978

Ref. No. A.P. 254/NKD/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar on Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh. Ajit Parshad, Nirmala Bhalla, Sulkshna Kochhar, Dinesh Chander Bhalla, Shashi Gopal, Romesh Chander Bhalla, Shmt. Nirmala Bhalla, H. No. 184, Sector 16-A, Chandigarh, (Transferor)

(2) Sh. Brij Bhushan, Sh. Chander Mohan s/o Sh. Sital Dass s/o Lala Bal Mukund, Jain Mohalla, Nakodar, (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd share of shop No. 1592 in Dana Mandi, Nakodar as mentioned in sale deed No. 1757 of Oct., 1977 registered with the S. R. Nakodar.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-6-1978

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Sh. Kanwar Lal s/o Sh. Gujjar Mal s/o Sh. Shadi Ram (Bhalla Khatri), Nakodar.  
(Transferor)

(2) Sh. Brij Bhushan, Sh. Chander Mohan ss/o Sh. Bal Mukund, Jain Mohalla, Nakodar.  
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 14th June 1978

Ref. No. A.P. 255/NKD/78-79.—Whereas, I, O. P. MADAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. As per schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Nakodar on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing No. 1592 in Dana Mandi Nakodar as mentioned in sale deed No. 1887 of Nov., 1977 registered with the S. R. Nakodar.

O. P. MADAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 14-6-1978

Seal :